हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 67 देहरादून, 'शुक्रवार, 01 सितंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

तिब्बती समाज की महिलाओं ने DIG की कलाई पर बाँधी राखी 3

सीएम धामी ने किया चंपावत के देवीधुरा स्थित मां वाराही धाम में लगने वाले प्रसिद्ध बगवाल मेले में प्रतिभाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को चंपावत जिले के देवीधुरा स्थित मां वाराही धाम में लगने वाले प्रसिद्ध बगवाल मेले में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने माँ वाराही मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना कर राज्य की खुशहाली की कामना की एवं मां वाराही धाम में चार खाम सात थोक के बीच खेले जाने वाले प्रसिद्ध पाषाण युद्ध के साक्षी बने।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह स्थान आध्यात्मिक रूप से जितना समृद्ध है प्राकृतिक रूप से उतना ही अधिक मनोरम है। इस अलौकिक भूमि का न केवल ऐतिहासिक महत्व रहा है बल्कि इस क्षेत्र का पौराणिक महत्व भी किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा कि संस्कृति की महानता के विषय में आम लोगों को जागृत करने का काम हमारे ऐतिहासिक मेले करते हैं और बगवाल का यह ऐतिहासिक मेला भी इसी का एक अनुपम उदाहरण है। इस प्रकार के मेले से हमारी लोक संस्कृति और लोक परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ हमारे लोक कलाकारों को भी बढ़ावा मिलता है। इस विरासत को संभाले रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मेले हमारे समाज को जोडऩे तथा हमारी प्राचीन संस्कृति और परंपराओं के बारे में नई पीढ़ी को जागरूक करने में भी अपनी अहम भूमिका निभाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश में एक सशक्त नेतृत्व वाली सरकार है, जिसके साथ दुनिया का हर देश खड़ा होने को आतुर है। एक ओर जहां हमारा देश जी-20 जैसे शक्तिशाली समूह की अध्यक्षता कर रहा है वहीं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सीट के लिए अनेक देश भारत का समर्थन भी कर रहे हैं। आज दुनिया के देश भारतीय नीतियों का अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देश एक विश्व शक्ति व विश्व गुरु की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन पर चलकर प्रदेश सरकार भी उत्तराखंड में धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण और अस्मिता को बचाने के लिए कृत संकल्पित है। सरकार केदारनाथ खंड की भांति कुमाऊं में मानस खंड कॉरिडोर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं, जिसके अंतर्गत कुमाऊं क्षेत्र के सभी प्राचीन मंदिरों का विकास किया जा रहा है। मानसखंड मंदिर माला के अंतर्गत चंपावत के लगभग सभी मंदिर भी शामिल हैं। इससे पूर्व देवीधुरा आगमन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मेला स्थल में लगाए गए विभिन्न विभागों के सरकारी स्टालों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि प्रत्येक जनमानस तक सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने सभी अधिकारियों से तत्परता से कार्य करने के लिये कहा।

गुरुवार को पाटी ब्लॉक के मां बाराही धाम देवीधुरा खोलीखांड डुवाचौड़ मैदान पर सुबह प्रधान पुजारी द्वारा पूजा अर्चना की गई। एक-एक कर सभी चारों खामों तथा सात थोक के बगवालियों का आगमन हुआ। सबसे पहले सफेद पगड़ी में वालिक खाम ने मंदिर में प्रवेश किया। उसके बाद गुलाबी पगड़ी पहने चम्याल खाम ने प्रवेश किया। उसके बाद गहड़वाल खाम ने मंदिर में प्रवेश किया। सबसे आखरी में पीली पगड़ी पहने लमगडिया खाम ने प्रवेश किया। सभी खामों के प्रवेश के बाद प्रधान पुजारी द्वारा मंदिर से शंखनाद किया गया जिसके बाद बगवाल शुरू हुई। बगवाल शुरू होते ही माँ के जयकारों से पूरा खोलीखाण दुवाचौड़ मैदान के साथ पूरा मंदिर गुंजियमान हो गया। पीठाचार्य पंडित श्री कीर्ति बल्लभ जोशी का कहना है कि फल फूलों से चार खाम और सात थोकों के बीच खेली जाने वाली यह बगवाल देखने वालों के लिए भी फलदाई है। उन्होंने बताया कि इस बार 10 क्विंटल से अधिक फलों से बगवाल खेली गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अनेक घोषणाएं की। जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाटी का उच्चीकरण-मानकों का परिक्षण कर टाइप ए से टाइप बी में किया जाएगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवीधुरा में सुविधाओं का उच्चीकरण, एम्बुलेंस की तैनाती, व आवासीय परिसर का सुधारीकरण किया जाएगा। नगर पंचायत पाटी की स्थापना की जाएगी। कालसन ठाठा मोटर मार्ग से बनोली सुदर्का ठाठा मार्ग का सुधारीकरण किया जाएगा। देवीधुरा मेला बगवाल हेतु यथोचित धनराशि दी जाएगी। चौड़ाख्याली सीम मोटर मार्ग, पनियां रीठाखाल मोटर मार्ग 02 किमी का निर्माण किया जाएगा। भींगराड़ा मंदिर स्थल का सौन्दर्यकरण किया जाएगा। मेरौली से करौली मोटर मार्ग सुधारीकरण व मेरौली में रतिया नदी में पुल निर्माण किया जाएगा। तुंगीधार सकदेना टाकबलवाड़ी अ0जा0 बस्ती में 3 किमी सडक़ के निर्माण के साथ ही ज्योसुड़ा से निलोटी से क्विडागांव 02 किमी मोटरमार्ग का निर्माण किया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने भी मां बाराही के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की तथा जनता को संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्मल मेहरा, ब्लॉक प्रमुख सुमनता, पूर्व विधायक पूरन सिंह फत्र्याल, बाराही मंदिर समिति संरक्षक लक्ष्मण सिंह लमगडिया, जिलाधिकारी नवनीत पांडे, पुलिस अधिक्षक देवेन्द्र पींचा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आये जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

भट्ट ने जनजातीय बहनों से बंधायी राखी, मातृ शक्ति के सशक्तिकरण का दिया भरोसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने सीमांत गांव रेणी की जनजातीय बहिनों से रक्षा सूत्र बंधवाकर उन्हे मातृ शक्ति के सशक्तिकरण का भरोसा दिलाया। इसके साथ ही चमोली में रक्षा बंधन के विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारें प्रदेश की आधी आबादी को उसका पूरा हक दिलाने के लिए कटिबद्ध है । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा स्वरूप श्री महेंद्र भट्ट रक्षा बंधन का पावन पर्व मनाने तिब्बत बॉर्डर और चिपको आंदोलन का आगाज करने वाले गांव रेणी की जनजातीय बहिनों के बीच पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण बचाओ की महायोद्धा स्वर्गीय गौरा देवी को याद करते हुए कहा कि मोदी जी ने सीमांत क्षेत्र के गांवों को विकास मार्ग पर देश का पहला गांव बनाने का प्रण दिलाया है । भट्ट ने कहा कि भाजपा परिवार की तरफ से वह सभी बहिनों को आश्वस्त करते है कि जिस रक्षा सूत्र का बंधन मुझे बांधा है उसे

हम पूरे प्राण प्रण से क्षेत्रीय विकास एवं सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से पूरा करेंगे। सीमा से सटे सभी तमाम गांव के निवासी देश के दूसरी पंक्ति के सैनिकों की भूमिका का निर्वहन करते आए हैं लिहाजा हमारी जिम्मेदारी उनकी हर सुविधा और तकलीफों का ध्यान रखना है । इस दौरान रेणी गांव की जनजातीय महिलाओं ने श्री भट्ट को राखी बांध कर हर्षोल्लास से रक्षा बंधन का त्यौहार मनाया । इस अवसर पर मातृ शक्ति द्वारा लगाए देशभक्ति के गगनचुंबी नारों से पूरी घाटी गुंजायमान होती रही ।

इसके उपरांत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने गोपेश्वर के पीपल कोटि स्थित एकल विद्यालय की महिलाओं के मध्य पहुंचकर रक्षा सूत्र बंधवाया । इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार के रक्षा बंधन के अवसर पर गैस सिलेंडर पर 200 रुपए की सब्सिडी का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य की भाजपा सरकार अंत्योदय परिवार की बहिनों को 3 सिलेंडर फ्री रिफिलिंग की सुविधा पहले से ही दे रही है । हमारी सरकार ने महिला आरक्षण लागू कर प्रदेश की आधी आबादी को उसका पूरा हक दिलाने का काम भी किया है। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि कि मातृ शक्ति उत्तराखंड की आर्थिक व सामाजिक रीढ़ है लिहाजा उसके सशक्तिकरण के लिए हमारी सरकारें आगे भी कोई कोर कसर नहीं छोडऩे वाली हैं ।

नौगांव के देवलसारी भद्रेश्वर महादेव के कपाट खुले

उत्तरकाशी। भद्रेश्वर महादेव का कपाट गुरूवार को देवलसारी में विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। पंडितों के द्वारा हवन पूजा आदि कार्यक्रमों के साथ भद्रेश्वर महादेव के कपाट हमेशा भाद्रपद माह में खोले जाते हैं। भद्रेश्वर देवता आठ गांव के ईष्ट देवता हैं। कपाट खोलने के बाद देवता की डोली मुंगरा गांव के लिए रवाना हुई। मुंगरा गांव के बाद देवता की डोली आठ गांवों के लिए बारी-बारी से भ्रमण पर निकलेगी। जहां बद्री शर्मा महादेव का मेला पूरे आठ गांवों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। मंदिर समिति के अध्यक्ष जयवीर सिंह परमार ने बताया कि मुंगरागांव के बाद देवता की डोली गांव गांव के भवन पर निकलेगी, जहां लोग भद्रेश्वर महादेव की डोली का बेस सर्विस से इंतजार कर रहे हैं। हर वर्षों की भांति इस वर्ष भी देवता का मेला प्रत्येक गांव में मनाया जाएगा। मौके पर देवलसारी मंदिर समिति के अध्यक्ष जयवीर सिंह परमार, नगर पंचायत अध्यक्ष शशि मोहन राणा, जिला नियोजन समिति के सदस्य विजयपाल सिंह रावत, सोबेंद्र सिंह, सुनील नौटियाल, अनिल नौटियाल, अरविंद नौटियाल, संदीप नौटियाल, विजय सिंह रावत, विपिन परमार, पूर्व प्रमुख यशवंत कुमार आदि श्रद्धालु कपाट खुलने के अवसर पर मौजूद थे।

रक्षाबंधन पर कांठा मंदिर में मां हरियाली को चढ़ाई खीर

रुद्रप्रयाग। प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां हरियाली देवी के कांठा स्थित मंदिर में रक्षाबंधन के मौके पर क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा पूजा अर्चना की गई। साथ ही मां को भोग के रूप में खीर चढ़ाई गई। रक्षाबंधन के मौके पर यहां खीर को भोग लगाने की वर्षो पुरानी परम्परा है। रक्षाबंधन पर्व पर गुरुवार को जसोली, कोदिमा, पावौ, घंडियलाका व ग्वेफड के ग्रामीणों ने सुबह तडके मां के कांठा मंदिर के लिए प्रस्थान किया। जिसके बाद करीब 11 बजे ग्रामीण जसोली से सात किमी की पैदल दूरी तय करते हुए कांठा मंदिर पहुंचे। जहां पुजारी ने मां हरियाली की वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विशेष रूप से पूजा अर्चना कर हवन किया।

दो बच्चे होने से बच्चों और मां-बाप को मिलता है सुकून, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 सितम्बर : हर साल 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख कारण है बढ़ती हुई आबादी से होने वाली विभिन्न समस्याओं की ओर लोगों को जागरूक करना। इसमें गरीबी, लिंग असमानता, फैमिली प्लानिंग, मानव अधिकार और मातृ स्वास्थ्य शामिल हैं। गरीबी को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार ने 'हम दो हमारे दो' का नारा लगाया था दो बच्चे होने के क्या फायदे होते हैं और आज कपल्स को अपने परिवार को दो बच्चों तक ही सीमित क्यों रखना चाहिए।'ब्रेन फ्लोटिंग' नाम के पॉपुलर गार्डियन साइंस ब्लॉग के लेखक और न्यूरो-साइंटिस्ट डीन कहते हैं कि बच्चों के होने से आप खुश रहते हैं। वो खुश के साथ-साथ कभी दुखी, लगातार स्ट्रेस में या बेचैनी में रखते हैं। बच्चों की वजह से आप भावनाओं को ज्यादा अच्छी तरह से महसूस कर पाते हैं। कभी आप तनाव में रहते हैं, तो कभी आपको बच्चों की तकलीफ को लेकर दुख महसूस होता है। कुछ इस तरह ही हमारा दिमाग काम करता है।

जब घर में दो बच्चे होते हैं तो उन्हें दोस्ती या खेलने के लिए किसी और की जरूरत नहीं होती है। उन्हें अपने घर में ही अपना एक सच्चा और पक्का दोस्त मिल जाता है। इस बात से तो आप भी वाकिफ होंगे कि भाई-बहन से सच्चा दोस्त या शुभचिंतक हमारा कोई और नहीं हो सकता है। आप यकीन मानें या ना मानें लेकिन ये सच है कि जब सिंगल चाइल्ड दूसरे बच्चों को अपने भाई या बहन के साथ देखता है, तो उसे अकेलापन महसूस होता है। उसे लगता है कि उसके पास खेलने या अपनी बातें शेयर करने के लिए कोई नहीं है। प्यार बांटने से बढ़ता है और मां-बाप के जब दो बच्चे होते हैं, तो उनका प्यार बंटता नहीं बल्कि बढ़ जाता है एक पैरेंट होने के नाते आप ज्यादा प्यार महसूस करते हैं। इसके अलावा पहले बच्चे के बाद दूसरे बच्चे की परवरिश करना मां-बाप के लिए आसान होता है और दूसरे बच्चे को अपने बड़े भाई या बहन के खिलौने, कपड़े और किताबें आदि भी मिल जाती हैं। इससे पैरेंट्स का काम और जिम्मेदारी काफी कम हो जाती है। आजकल कपल्स एक ही बच्चा चाहते हैं जो कि गलत नहीं है। यह जनसंख्या को कंट्रोल में रखने के लिए भी सही है।

साभार - सो.मी.

सेल्फी लेने की आदत बना देगी बूढ़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 सितम्बर : मौका कोई भी हो लोग आजकल मोबाइल से सेल्फी लेने के एक्सपर्ट हो चुके हैं ,. ख़ास तौर पर बात करें यूथ की तो उनके मोबाइल में सेल्फी पिक्स और पोजेज़ की भरमार रहती है। सेलिब्रेशन हो , कॉलेज हो या ट्रेवलिंग टूर लड़कियां खास तौर पर सेल्फी लेने में अव्वल रहती हैं। लेकिन अगर आपको यह पता चल जाए कि सेल्फी लेने से आपकी उम्र में तेज़ी से इज़ाफा हो सकता है और सेल्फी की साइड इफेक्ट्स सीधे आपके चेहरे पर दिखाई दे सकती है तो शायद आप खुद-ब-खुद सेल्फी लेने के इस शौक को हमेशा के लिए अलविदा कह देंगे. सेल्फी लेते वक्त निकलते हैं हानिकारक रेडिएशनज्यादातर स्किन स्पेशलिस्ट मानते हैं कि सेल्फी लेते वक्त चेहरे पर पड़ने वाली नीली लाइट और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन स्किन के लिए काफी

साभार - सो.मी.

हानिकारक साबित हो सकते हैं. सेल्फी लेने के दौरान मोबाइल से निकलने वाले रेडिएशन को सनस्क्रीन की परत भी नहीं रोक सकती, जिससे त्वचा खराब हो सकती है.

चेहरे पर समय से पहले आ सकती है झुर्रियांसेल्फी लेने का खामियाजा सबसे ज्यादा आपकी त्वचा को उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बार-बार सेल्फी लेने की वजह से उम्र तेज़ी से बढ़ने लगती है और आप कम उम्र में ही उम्रदराज़ दिख सकते हैं. इसके अलावा आपके चेहरे पर समय से पहले झुर्रियां आ सकती है जो आपको समय से पहले बूढ़ा होने का अहसास करवा सकती है स्किन की रिपेयरिंग क्षमता होती है प्रभावितसेल्फी लेते वक्त मोबाइल से निकलने वाला हानिकारक रेडिएशन त्वचा में मौजूद डीएनए पर भी असर डालता है, जिसके चलते स्किन की रिपेयरिंग क्षमता प्रभावित होती है. जिससे किसी भी क्रीम या सनस्क्रीन के इस्तेमाल से नहीं बचाया जा सकता.ये थी सेल्फी की साइड इफेक्ट्स – बहरहाल यहां गौर करनेवाली बात यह भी है कि सेल्फी लेने का आपका क्रेज आपके चेहरे की रंगत को भी बिगाड़ सकता है.आप जितनी ज्यादा सेल्फी लेंगे, आपकी त्वचा उतनी ही ज्यादा बीमार होने लगेगी. इसलिए हमे यकीन है कि सेल्फी की साइड इफेक्ट्स को जानने के बाद यकीनन आप अपनी इस आदत को बदलने की कोशिश करेंगे.

ये है सुपर काऊ एक दिन में 140 लीटर देगी दूध

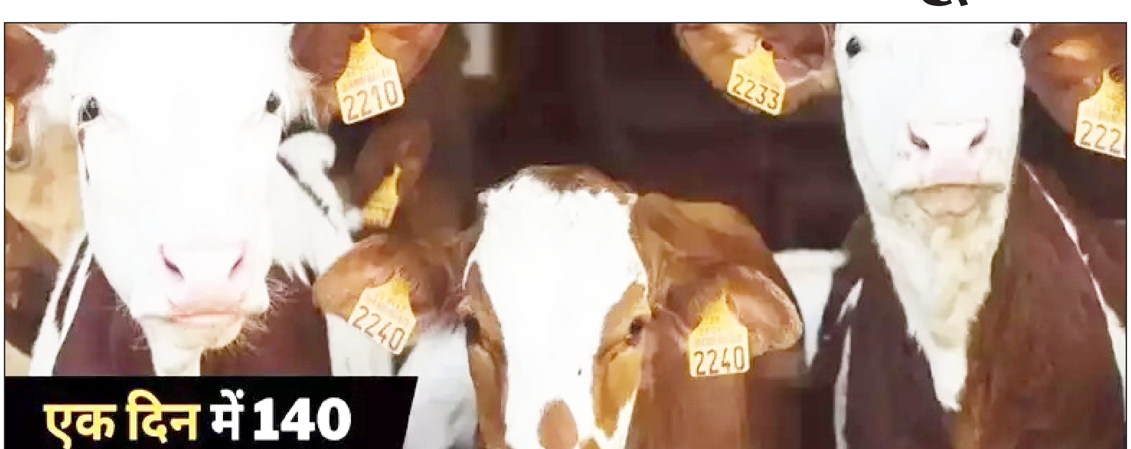

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 सितम्बर : चीन लगातार साइंस एंड टेक्नोलॉजी की फील्ड में अजीबो-गरीब एक्सपेरिमेंट कर रहा है। हाल ही में चीनी वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि उन्होंने क्लोनिंग के जरिए तीन 'सुपर काऊ' तैयार की हैं। ये गायें अपनी पूरी जिंदगी में 100 टन यानी 2 लाख 83 हजार लीटर दूध दे सकती हैं।

लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों गायों की ब्रीडिंग नॉर्थवेस्ट यूनिवर्सिटी के साइंटिस्ट्स ने कराई है। ये बछड़े पिछले दो महीने में निंगशिया इलाके में पैदा हुए हैं। ये सभी नीदरलैंड्स से आने वाली होलस्टीन फ्रीसियन गाय के क्लोन हैं।अलैंगिक तरीके से एक जीव से दूसरे जीव को तैयार करने की प्रोसेस को क्लोनिंग कहा जाता है। आसान भाषा में, वैज्ञानिक एक जानवर का DNA लेते हैं और इसकी मदद से जानवर का प्रारूप तैयार करते हैं। वैज्ञानिक अपनी सहूलियत के हिसाब से इनके जीन्स में बदलाव करते हैं, ताकि सामान्य जानवर की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली जानवर बनाया जा सके।

प्रोजेक्ट लीड जिन यापिंग ने बताया कि सबसे पहले अच्छी नस्ल की गायों के कान के सेल्स (कोशिकाएं) निकाले गए। फिर इनसे भ्रूण तैयार कर 120 गायों में प्रत्यारोपित किए गए। इनमें से 42% गाय गर्भवती हुईं। फिलहाल तीन सुपर काऊ का जन्म हो चुका है, जबकि 17.5% बछड़ों का जन्म अगले कुछ दिनों में हो सकता है।वैज्ञानिकों की मानें तो एक सुपर काऊ एक साल में 18 टन (16.3 हजार लीटर) दूध देने में सक्षम है। यह अमेरिका की नॉर्मल गाय की तुलना में 1.7 गुना ज्यादा है। या पिंग का कहना है कि चीन में अगले 2-3 साल में एक हजार सुपर काऊ पैदा की जाएंगी। इससे डेयरी इंडस्ट्री को ज्यादा से ज्यादा फायदा होगा। फिलहाल चीन में हर 10 हजार में से 5 गाय ही अपने जीवन में 100 टन दूध दे पाती हैं। इसके अलावा देश में 70% डेयरी गाय आयात की जाती हैं।

यह पहली बार नहीं है जब चीन ने किसी जानवर को क्लोन किया है। पिछले साल चीनी वैज्ञानिकों ने दुनिया का पहला क्लोन किया गया आर्कटिक भेड़िया तैयार किया था। 2017 में चीन ने ऐसे मवेशी क्लोन किए थे, जो जानवरों में होने वाले ट्यूबर-क्यूलोसिस को मात दे सकते हैं।

खाते समय मोबाइल का यूज है जानलेवा !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 सितम्बर , आज के समय में ज्यादातर लोग खाना खाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करते रहते हैं और खाते रहते हैं। ऐसा करके आप खुद को मल्टी-टास्कर न समझें क्योंकि आपकी यह आदत कई समस्याओं को जन्म दे सकती है। अब बड़ों की देखा-देखी बच्चे भी ऐसा ही करने लगे हैं। आज के समय में बच्चे भी खाना खाते समय टीवी या फोन चलाने की जिद करते हैं तो हारकर माता-पिता को उनकी बात माननी पड़ती है। खाना खाते समय मोबाइल या टीवी का इस्तेमाल करना आपके लिए भारी पड़ सकता है। इससे आप कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि खाना खाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करने से कौन सी बीमारियां हो सकती हैं।

खाना खाते वक्त मोबाइल चलाने से होने वाली बीमारियां

मोटापा- जब भी हम सभी खाना खाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं तो लगभग सारा ध्यान उसी पर रहता है। जिसके कारण हम अपनी भूख से अधिक खाना खा लेते हैं। यह तो हम सभी जानते हैं कि ओवरइटिंग से मोटापा बढ़ता है। यह तो हम सभी जानते हैं कि ज्यादा खाने से मोटापा बढ़ता है और इसकी वजह से कई बीमारियां शुरू हो जाती हैं।डायबिटीज-खाना खाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करने से डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता

है। इस आदत के कारण मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और खाना ठीक से प्रोसेस नहीं हो पाता। जिसके परिणाम-स्वरूप वजन बढ़ने लगता है। जिससे डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। यह बहुत खतरनाक बीमारी है।पाचन तंत्र की समस्या- टीवी या मोबाइल देखते हुए खाना खाने से पाचन संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। भोजन को ठीक से न चबाने के कारण भोजन ठीक से पच नहीं पाता है। जिसकी वजह से पेट दर्द, अपच, कब्ज और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।नींद खराब- अगर आप रात में खाना खाते समय टीवी या मोबाइल फोन देखते हैं तो इससे आपकी नींद में खलल पड़ सकता है। स्क्रीन पर देखते-देखते कई बार इंसान लिमिट से ज्यादा खाना खा लेता है, जिससे पेट में खाना पचाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में समस्या रात भर बनी रहती है और नींद में बार-बार खलल पड़ता है।

उत्तराखंड : नैनीताल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 01 सितम्बर : नैनीताल जिले को बम से उड़ाने की धमकी देकर पुलिस की नाक में दम करने वाला आरोपी आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले कई दिनों से पुलिस आरोपी की तलाश में आंध्र प्रदेश की खाक छान रही थी। इस दौरान कई सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। कई दिन की मेहनत के बाद पुलिस आरोपी तक पहुंचने में कामयाब रही और उसे धर दबोचा। आरोपी ने नैनीताल पुलिस के ऑफिशियल पेज पर शहर में जगह-जगह बम धमाके करने की धमकी दी थी। आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के नाम से धमकी भरे संदेश भेजे थे।

आरोपी के खिलाफ तल्लीताल मे आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था। मामला क्योंकि लोगों की सुरक्षा से जुड़ा था, इसलिए आरोपी की धरपकड़ के लिए एसटीएफ ने दो टीमों का गठन किया। जिसने आरोपी को आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपी की शिनाख्त नितिन शर्मा पुत्र सुरेंद्र शर्मा के रूप में हुई। मूलरूप से दिल्ली के रहने वाले नितिन ने धर्म परिवर्तन कर अपना नाम खालिद रख लिया, और इस वक्त आंध्र प्रदेश में रह रहा था। बीते साल भी आरोपी ने 4 अक्टूबर को नैनीताल कंट्रोल रूम में ऐसी ही भ्रामक सूचना दी थी। आरोपी ऐसा क्यों कर रहा था, इसे लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। बीते महीने 13 जुलाई को उसने नैनीताल पुलिस को धमकी देने के लिए अमित शर्मा नाम से फर्जी जीमेल और फेसबुक अकाउंट बनाया था। आरोपी की तलाश में पुलिस 20 दिन विजयवाड़ा और आंध्र प्रदेश के कई इलाकों को छानती रही। दर्जनों सीसीटीवी कैमरे खंगाले, और इस तरह आरोपी तक पहुंचने में कामयाब रही। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

तिब्बती समाज की महिलाओं ने DIG की कलाई पर बाँधी राखी

देहरादून , 1 सितंबर , भाई बहन के परस्पर प्रेम को प्रदर्शित करता रक्षा बंधन का त्योहार समस्त देश मे मनाया गया , इस अवसर पर तिब्बती समाज की महिलाओं द्वारा पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून, दलीप सिंह कुँवर की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध उनसे जनपद की सभी महिलाओं के मान-सम्मान के प्रति खाकी सदैव कर्तव्यबद्ध व आम जनता की सुरक्षा को पुलिस सदैव तत्पर का तोहफा मांगा। इस दौरान सहस्त्रधारा के तिब्बती कॉलोनी से आई महिलाओं के समूह द्वारा DIG/ SSP देहरादून के हाथ पर रक्षा सूत्र बांध उन्हें जनपद को सुरक्षित, अपराध रहित बनाये जा तोहफा माँगा, जिस पर उन्होंने आमजन की सुरक्षा के लिए दून पुलिस के हर पर मुस्तैद व तत्पर रहने का भरोसा दिलाया।

शैल परिषद में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन पर्व

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर। शैल सांस्कृतिक समिति शैल परिषद रूद्रपुर के तत्वाधान में रक्षाबंधन पर्व शैल परिषद में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में ज्योतिषाचार्यों ने मंत्रोजाप के साथ विधि - विधान से रक्षा सूत्र व जनेऊ को पवित्र करने के पश्चात उपस्थित लोगों को जनेऊ धारण करवाई । पंडित दिनेश चंद्र पंत ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को जनेऊ के विषय में जानकारी दी उन्होंने बताया कि त्योहारों के माध्यम से मानव परमात्मा के प्रति श्रद्धा व कृतज्ञता व्यक्त करता है इसी क्रम में रक्षाबंधन और ऋषि तर्पण श्रावण मास की पूर्णिमा को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है । पंडित सतीश लोहनी ने जानकारी दी की ऋषि तर्पण मुख्यतः जनेऊ बदलने का पर्व है जनेऊ 96 चक्र व 96 हजार ऋचाओं अर्थात दो लोकों का प्रतीक माना जाता है तथा तीन धागे (सूत्र) शरीर (पौरूष) वाणी एवं मन मस्तिष्क को वश में करने का माध्यम माना गया है। इस अवसर पर शैल परिषद के अध्यक्ष गोपाल सिंह पटवाल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों में अपने बच्चों को अवश्य प्रतिभाग कराना चाहिए ताकि बच्चे अपनी संस्कृति को जान सकें और संस्कारवान बन सकें। शैल समिति के महामंत्री एडवोकेट दिवाकर पांडे ने कहा कि ऋषि तर्पण नारायणी पूर्णिमा, श्रावणी पूर्णिमा एवं कजरी पूर्णिमा के रूप में पूर्व- पश्चिम व उत्तर - दक्षिण में पूरी श्रद्धा वह सदभाव से मनाया जाता है उत्तराखंड में यह पर्व जन्यो-पुन्यो और ऋषि तर्पण के नाम से जाना जाता है इस अवसर पर शैल सांस्कृतिक समिति रूद्रपुर के अध्यक्ष गोपाल सिंह पटवाल, महामंत्री दिवाकर पांडे, कोषाध्यक्ष डीके दनाई, राजेंद्र बोरा, दिनेश बम, हरीश दनाई, धीरज पांडे,राजेन्द्र बलौदी,मोहन उपाध्याय, पूर्व वीसी डॉ. बीएस बिष्ट,उत्तम सिंह जन्तवाल,मनोज जोशी, विद्यासागर पाठक,डॉ. एलएम उप्रेती,डीडी गुणवन्त, कार्तिकेय उप्रेती, रितेश मिश्रा, सुधीश मालवीय ,राधेश्याम शुक्ल, महेश्वर सिंह रौतेला, देवेंद्र जोशी ,कृष्णा मिश्रा ,सुदर्शन सिंह चौहान, खिमानंद जोशी, कैलाश चंद्र जोशी, हर्षित दनाई ,आदित्य जोशी, आनंद मणि नौटियाल ,आयुष ,चंद्र बल्लभ घिंडियाल ,रमेश चंद्र जोशी, राजेश्वर जोशी ,नरेंद्र सिंह रावत, राधा कृष्ण पांडे,कार्तिक काण्डपाल आदि उपस्थित रहे ।

ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार अपनाने को जागरूक किया

काशीपुर। भाजपा भरतपुर मेघावाला मंडल के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के आह्वान पर गांव-गांव, बाजारों में जाकर युवा एवं ग्रामीणों को स्वरोजगार करने लघु उद्योग धंधों को अपनाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने प्राचीन स्वरोजगार की लुप्त हो रही परंपरा कृषि उपकरण हल, फावड़ा, खुरपा, दरांती, औजार बनाने, खजूर के लंबे-लंबे पेड़ों के पत्ते सुखाकर पंखे बनाने, कपड़ों की बुनाई, रंगाई आदि स्वरोजगार अपनाने को कहा। उन्होंने लघु उद्योग स्थापित करने को प्रदेश, केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। यहां राजकुमार गुंबर, रवि साहनी, जितेंद्र यादव, पवन वाटला, उमेश चौबे, गुरनाम सिंह, सतपाल सिंह शेरअली, गफ्फार, कदीर सैफी, सुरेश, अयूब आलम, दिलशाद, फईम रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

रुद्रपुर। रक्षाबंधन पर बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधी और उनके दीर्घायु व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प दोहराते हुए उपहार दिए। आने जाने को लेकर बसों में भीड़ रही।

संक्षिप्त खबरें

पर्यावरण मित्र बहिनों ने बांधी कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी को बांधा रक्षासूत्र

देहरादून। देशभर में भाई बहन के पवित्र प्रेम के प्रतीक रक्षा बंधन का पावन पर्व बड़े धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। रखा बंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में न्यू कैंट रोड स्थित कैंप कार्यालय में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी को बड़ी संख्या में पर्यावरण मित्र बहिनों ने रक्षासूत्र बांधा। पर्यावरण मित्रों बहिनों ने एक-एक कर काबीना मंत्री गणेश जोशी के हाथों में रांखी बांधी और उनके लंबी उम्र की कामना की। रांखी बांधने के उपरांत मंत्री गणेश जोशी ने सभी बहनों को उपहार भेंट किये एवं मिष्ठान वितरित किया। मंत्री गणेश जोशी ने रक्षा सूत्र बंधवाकर उनकी रक्षा का वचन दिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश ने प्रदेश वासियों को रक्षाबंधन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। त्योहार आपसी भाईचारे के साथ ही जीवन में उमंग और उत्साह का संचार करते है। त्योहार हमारी पहचान होते हैं। प्राचीन संस्कृति को बनाए रखने में त्योहारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि पहले इन्हे सफाई कर्मचारी कहा जाता था, लेकिन पीएम मोदी ने पर्यावरण मित्र जैसा सम्मान जनक नाम दिया है। मंत्री गणेश जोशी ने कहा समाज में पर्यावरण मित्र बहनों का अहम योगदान है। उन्होंने कहा पर्यावरण मित्र बहनों को समय समय पर सम्मान करना और उनका प्रोत्साहित करना चाहिए। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने सभी पर्यावरण मित्र बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, पार्षद सतेंद्र नाथ सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण मित्र बहिने उपस्थित रही।

पतरामपुर में धरनारत भाईयों से बहनों ने नहीं लिए उपहार

काशीपुर। पतरामपुर में अतिक्रमण हटाने के मामले में धरने पर बैठे भाइयों से बहनों ने राखी बांधकर उनसे उपहार नहीं लिया और उनकी लंबी उम्र की कामना की। गुरुवार को पतरामपुर में पीड़ित परिवार के लोगों ने आठवें दिन धरना जारी रखा। उन्होंने पुनर्वास योजना के तहत आबादी में दर्ज खसरा नंबर 287 में आवासीय भूमि सरकार से मुहैया कराने की मांग की। धरना स्थल पर पहुंची बहनों ने भाइयों को राखियां बांधीं। उन्होंने भाइयों से उपहार लेने से इंकार कर दिया। कहा कि सरकार जब भाइयों की मांग को पूरा कर देगी, तब वह अपना उपहार लेंगी। बहनों की यह बात सुनकर भाई भावुक हो गए। उन्होंने बहनों को गले लगा लिया। यह देखकर अन्य ग्रामीणों की आंखों में आंसू आ गए। कुलदीप सिंह, अमनप्रीत सिंह, सुरजीत सिंह, जगजीत सिंह, गज्जन सिंह, स्वर्ण सिंह, दारा सिंह, हरजाब सिंह, गुरप्रीत सिंह, बगीचा सिंह आदि ने धरना दिया।

बिजली चोरी में पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रुड़की। ऊर्जा निगम के जेई अमजद अली के साथ लाइनमैन शिवकुमार, सुमित कुमार, नीलू कुमार और रवि कुमार की टीम ने खानपुर के तुगलपुर खालसा गांव में छापा मारा। छापे में बलबीर सिंह, सुक्खा सिंह और बक्खा सिंह के घर में बिजली की चोरी पकड़ी गई। इसके बाद टीम ने खानपुर गांव में छापा मारकर शीश कुमार, सचिन कुमार के घर में बिजली की चोरी पकड़ी। जेई ने खानपुर थाने में तहरीर देकर पांचों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

भुगतान के छह माह बाद सडक़ बनाने की आई याद

रुड़की। नगर पंचायत की ओर से सडक़ निर्माण में अजीब मामला सामने आया है। भुगतान के छह माह बाद सडक़ बनाने की याद आई। ये भी तब जब जनता ने भ्रष्टाचार की आवाज उठाई। हालांकि, दो दिन से सडक़ बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, लंढौरा नगर पंचायत ने वर्ष 2005 में मोहल्ला गडरयान में राजेश के मकान से शानू के घर तक सडक़ का निर्माण कराया था। इसी वार्ड निवासी जुल्फकार ने सडक़ों के निर्माण से संबंधित सूचना मांगी थी। नगर पंचायत की ओर से दी गई सूचना में राजेश के घर से शानू के घर तक सडक़ का निर्माण 2023 की शुरुआत में दिखाया गया है और 2023 फरवरी में ही ठेकेदार को सडक़ निर्माण के लिए 1.58 लाख का भुगतान कर दिया गया था। मामला उजागर होने पर 30 अगस्त से उक्त सडक़ को बनाने का कार्य फिर से शुरू कर दिया गया है। नगर पंचायत ईओ सुरेंद्र कुमार का कहना है कि अभिलेखों में कार्य का नाम गलत लिखे जाने से ये समस्या उत्पन्न हुई है।

गढ़वाल राइफल के जवानों को रक्षा सूत्र बांधकर मनाया रक्षाबंधन

देहरादून। गढ़ी कैंट में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कोषाध्यक्ष वंदना बिष्ट की अगुवाई में महिलाओं ने गढ़वाल राइफल के जवानों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। महिलाओं ने फौजी भाईयों से अपनील सुरक्षा का वचन लिया। गुरुवार को रक्षाबंधन के मौके पर वंदना बिष्ट के साथ बसंती भट्ट, हेमा भट्ट, नीमा डसीला सिप्पी देवी, सुहाना कुमारी समेत अन्य महिलाएं तृतीय गढ़वाल राइफल बटालियन में पहुंची। यहां उन्होंने कमांडिंग अफसर कर्नल गौरव सिंह, बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी कर्नल ललित मोहन शर्मा, सूबेदार मेजर राकेश नेगी, सूबेदार हीरा सिंह के साथ सेना के जवानों की आरती उतारी। फिर रखी बांधने के साथ देश की सुरक्षा का वचन लिया और सेना के जवानों को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा किया।

नंदा देवी महोत्सव की तैयारियों को हुई कोर कमेटी गठित

हल्द्वानी। पौराणिक देवी मंदिर में नंदा देवी महोत्सव की तैयारियों को लेकर कोर कमेटी के आह्वान पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्रवासियों ने बढ़ चढक़र प्रतिभाग किया। साथ ही सर्वसम्मति से पांच सदस्यीय कोर कमेटी का गठन किया गया। इस दौरान बैठक में सर्वसम्मति से कंचन सुयाल, रोहित जोशी, लोकेश जोशी, योगेश कुमार, आयुष कुमार को कोर कमेटी में चुना गया साथ ही तरुण जोशी व कैलाश सुयाल को संरक्षक नियुक्त किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष नंदा देवी महोत्सव व सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन रामलीला मैदान में किया जाएगा साथ ही महोत्सव में महिला टीम भी कार्य करेंगी। इस दौरान बैठक में मोहन कपिल, इंदर कपिल, दीपेश कपिल, मनीष साह, नन्दाबल्लभ सुयाल, तरुण जोशी,पुष्पेश पाँडे,नरेश पांडेय, नीरज अधिकारी ,हरीशंकर काण्डपाल,संतोष तिवारी ,मोहन बिष्ट ,ज्योति साह, नीमा बिष्ट ,दयाल आर्य , धीरज भाकुनि, कैलाश अधिकारी ,जुगल मठपाल ,रवींद्र क्वीरा, शेर सिंह बिष्ट, संजय भकुनि,पंकज भकुनी, प्रकाश आर्य,प्रगति जैन, सीमा साह,मीना बिष्ट,उमादेवी, त्रिलोक जोशी, त्रिवेंद्र साह, कबीर साह ,राकेश रावत ,हरीष बिष्ट, जगदीश नेगी,गौरव पंत,खजान भट, भावेश तिवारी आदि उपस्थित रहे।

लिवर की समस्या से बचना चाहते हैं, तो खाने में करें ये बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

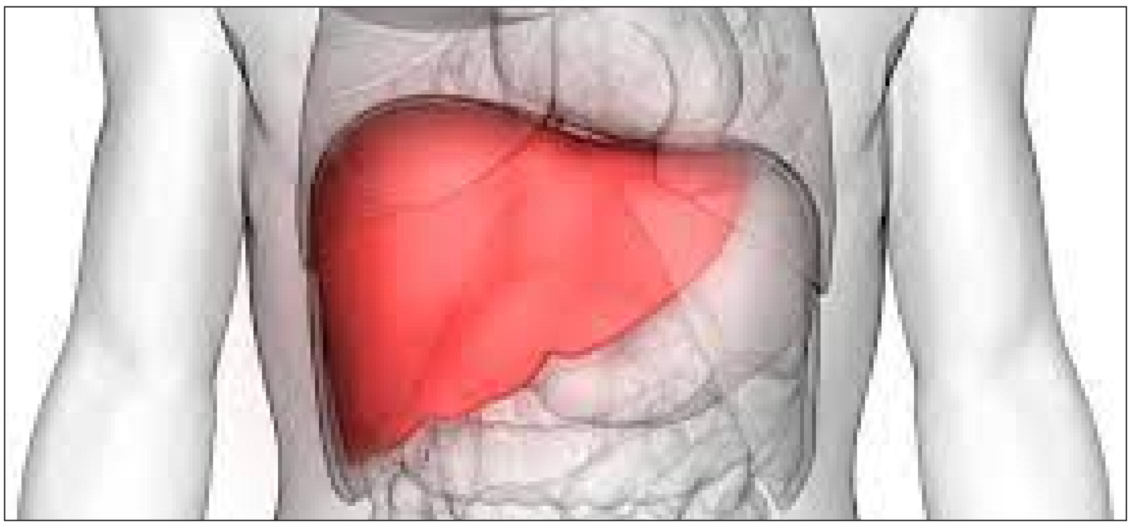

ब्यूरो रपोर्ट 01 सितम्बर : लिवर की बीमारियां संपूर्ण शरीर के लिए दिक्कते बढ़ाने वाली हो सकती हैं। पेट और आंतों से निकलने वाला सारा खून लिवर से होकर गुजरता है। लिवर इस रक्त को संसाधित करने, पोषक तत्वों के अवशोषण, भोजन के पाचन को बढ़ावा देने के साथ कई प्रकार के हार्मोन्स भी रिलीज करता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, युवाओं में बढ़ रही फैटी लिवर की समस्या काफी चिंताजनक है, इससे सभी लोगों को बचाव करते रहना चाहिए। फैटी लिवर की समस्या, उन लोगों को भी हो सकती है जो शराब नहीं पीते हैं।

फैटी लीवर डिजीज, जैसा कि इसके नाम से पता चलता है यह लिवर में वसा के निर्माण के कारण होने वाली समस्या है। इस बीमारी में लिवर के लिए, सामान्य तरीके से काम कर पाना कठिन हो जाता है, जिसका असर संपूर्ण शरीर पर हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हर आयु के लोगों को लिवर की सेहत को ठीक रखने पर गंभीरता से ध्यान देते रहना चाहिए, यह समस्या किसी को भी हो सकती है। आइए जानते हैं कि लिवर की इस बीमारी से बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है?

क्यों होती है फैटी लिवर की समस्या?

फैटी लिवर डिजीज में, लिवर की कोशिकाओं में अतिरिक्त फैट जमा होने लगता है। वसा के इस प्रकार के जमाव के कई कारण हो सकते हैं। शराब का अधिक सेवन करने वालों में इस तरह की समस्याओं के जोखिम अधिक होता है। वहीं, आहार और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण बिना शराब का सेवन किए भी आप में इस समस्या का जोखिम हो सकता है। मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज, इंसुलिन प्रतिरोध, रक्त में ट्राइग्लिसराइड की अधिकता और मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी समस्याओं के कारण भी फैटी लिवर डिजीज होने का खतरा हो सकता है। इसके लिए आहार और दिनचर्या को ठीक रखना बहुत आवश्यक माना जाता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

डॉक्टर बताते हैं फैटी लिवर की समस्या से बचाव के लिए आहार में फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करना लाभकारी माना जाता है। फाइबर, लिवर के कार्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके लिए ताजे फल और सब्जियां, फलियां और साबुत अनाज को आहार में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा लिवर की इस समस्या से बचाव के लिए भोजन में नमक और चीनी की मात्रा को कम रखने की सलाह दी जाती है। लिवर की सेहत का ख्याल रखें।

पॉजिटिव खबरें दिल, दिमाग को स्वस्थ बनाती हैं, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

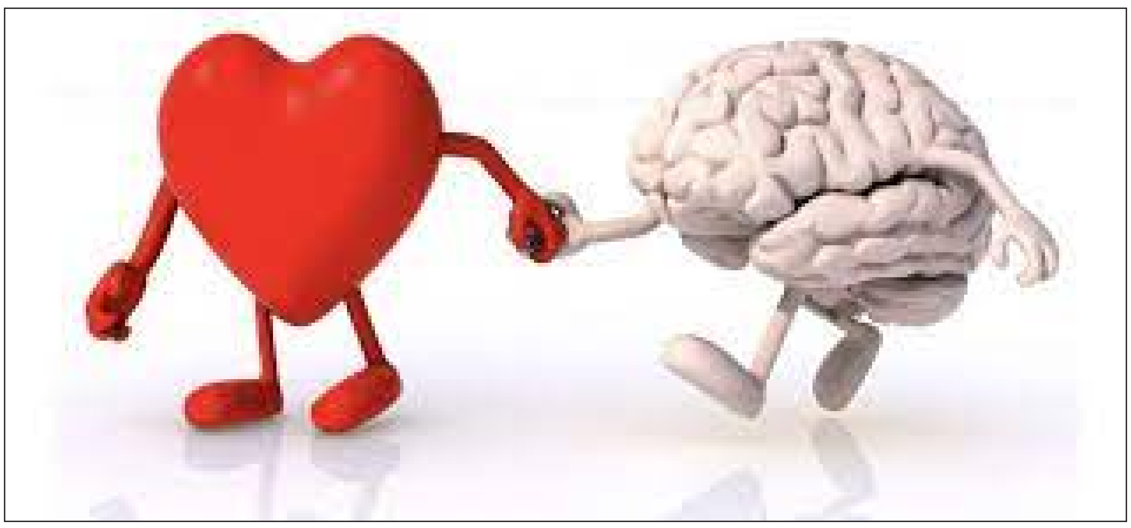

ब्यूरो रिपोर्ट 01 सितम्बर : सूचनाओं के इस दौर में निगेटिव खबरें लगातार आ रही हैं। निगेटिव सूचना क्रांति से थकान और तनाव बढ़ रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पॉजिटिव खबरें खुशी और भावनात्मक लचीलापन बढ़ाती हैं। अलग-अलग विश्वविद्यालयों की रिसर्च के मुताबिक, लोग अच्छी खबरों पर बात करना और इन्हें साझा करना पसंद करते हैं। द हैप्पीअर किताब के लेखक और द हैप्पीनेस स्टडीज एकेडमी के फाउंडर डॉ. कहते हैं कि सकारात्मक खबरें पढ़कर लगता है कि दुनिया अच्छी जगह है। निगेटिव माहौल का सामना करने में मदद मिलती है। शॉर्ट टर्म में मूड अच्छा होता है और लॉन्ग टर्म में सुखद नजरिया मिलता है। हार्वर्ड से लेकर ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी तक की रिसर्च में सामने आया पॉजिटिव खबरें बढ़ाती है संतुष्टि...

तनाव और चिंता को कम करती हैं

साउथम्पटन यूनिवर्सिटी की 2016 में की गई एक रिसर्च के मुताबिक, पॉजिटिव खबरें और अच्छी जानकारियां हमारी मानसिकता में बदलाव लाती हैं। जब हम पॉजिटिव खबरें पढ़ते हैं तो शरीर में तनाव हार्मोन का स्तर कम हो जाता है। वाशिंगटन की गोंज़ागा यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, सकारात्मक खबरें साझा करने और पढ़ने से क्वालिटी ऑफ लाइफ भी सुधरती है। खासतौर पर जब आप परेशानी में हो या किसी आपदा के दौर से गुजर रहे हों तब सकारात्मक खबरें आपको जीने की नई उम्मीद देती हैं।

हार्ट को स्वस्थ बनाती हैं

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की 2018 की एक रिसर्च के मुताबिक, लगातार पॉजिटिव खबरें पढ़ने से हार्ट स्वस्थ बनता है। ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है। इंसोमनिया यानी अनिद्रा की समस्या और मांसपेशियों के तनाव में भी यह फायदेमंद है। सकारात्मक खबरें तनाव भी कम करती हैं। ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी के रिसर्चर नथानिएल लैम्बर्ट ने 2012 में शोध में पाया कि जो लोग पॉजिटिव खबरें, स्टोरी और आर्टिकल शेयर करते हैं वे ज्यादा खुश रहते हैं। उनका नजरिया लगातार विकसित होता जाता है। सकारात्मक खबरें और अनुभव साझा करने से संतुष्टि चरम पर पहुंचने लगती है।

नॉलेज के लिए प्रेरित करती हैं

एंगेज्ड न्यूज प्रोजेक्ट नाम से 2014 में किए गए एक शोध के मुताबिक, जब लोग समाचार पत्र के पेज पर एक पॉजिटिव खबर पढ़ते हैं तो उनके लंबे समय तक उसी पेज बने रहने की संभावना बढ़ती है। यानी पॉजिटिविटी पढ़ने वाले को सुकून देती है, उसे आकर्षित करती है।

एप से होगी भगवान से चैटिंग और बातें !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 सितंबर , इंसान अपने हर समस्या का हल भगवान से ही मांगता है। इसके लिए, वह दिन रात पूजा करता है। चौबीसों घंटे उसकी प्रार्थना करता है। सब चाहते हैं कि भगवान उनके जीवन को बेहतर बना दें। हर कोई चाहता है कि उसका भगवान से संपर्क हो जाए। लेकिन अब भगवान से संपर्क साधना बहुत आसान हो गया है। ये सब हुआ है एक AI ऐप के जरिए। जिससे आप सीधे भगवान से चैटिंग कर सकते हैं। जी हां, भगवान का अस्तित्व है या नहीं अभी तो यह कुछ कंफर्म नहीं है लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बना चैटबॉट भगवान बनकर आपके साथ चैट करेगा।

जीसस से बात करें

अमेरिका के लॉस एंजेलिस स्थित ऐप डेवलपमेंट कंपनी कैट लॉफ सॉफ्टवेयर ने एक नया मैसेजिंग प्रोग्राम बनाया है। इस ऐप का नाम है Text with Jesus. ये ऐप चैट जीपीटी की मदद से चलता है। इस ऐप के जरिए यूजर्स जीसस क्राइस्ट से बातें कर सकते हैं। दरअसल AI की मदद से ये चैटबॉट जीसस क्राइस्ट बनकर बातें करेगा। यीशु के अलावा ये बाइबल के दूसरे किरदारों की तरह भी लोगों से बातें किया करेगा।

ऐप के जरिए शैतान से भी बात कर सकेंगे

इस ऐप में जीसस, जूडास, रुथ, जॉब, अब्राहम के भतीजे लॉट, आदि जैसे कई बाइबल के किरदार हैं। इसके साथ-साथ आप भगवान को छोड़ शैतान से भी जुड़ सकते हैं। इसके लिए ऐप में एक ऑप्शन है जिसके जरिए आप सैटन, यानी शैतान से भी चैटिंग कर सकते हैं। ऐप को हाल ही में लॉन्च किया गया है और अब इस पर लोगों के मिले जुले रिएक्शन आ रहे हैं। कई लोग इसे मजेदार बता रहे हैं, जबकि अधिकतर लोग इस ऐप पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं और कह रहे हैं कि ये काफी सेंसिटिव मुद्दा है और धर्म से लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। ऐसे में इस ऐप को भावनाओं को आहत करने वाला बताया गया है।

शांति भंग की आशंका में चार लोगों को नोटिस

चम्पावत। ऋक्षेश्वर मंदिर में भागवत कथा के आयोजन को लेकर चल रहे विवाद को देखते हुए प्रशासन ने चार लोगों के खिलाफ नोटिस जारी किए हैं। एसडीएम रिंकू बिष्ट ने बताया कि चार लोगों को 107/116 सीआपीसी के तहत नोटिस जारी किए हैं। लोहाघाट के नवीन कार्की, श्रीमहंत सभापति निवासी बनारस हाल निवासी ऋक्षेश्वर मंदिर लोहाघाट, श्रीमहंत थानापति निवासी उज्जैन हाल ऋक्षेश्वर मंदिर लोहाघाट और श्रीऋक्षेश्वरानंद निवासी कानपुर हाल निवासी ऋक्षेश्वर मंदिर लोहाघाट शामिल हैं। चारों को एक सितंबर को न्यायालय में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं।

गुमदेश में नम आंखों से मां गौरा को विदाई दी

चम्पावत। नेपाल सीमा से लगे विभिन्न गांवों में गौरा महोत्सव का समापन हुआ। इस दौरान लोगों ने नम आंखों से गौरा को विदाई दी। देव डांगरों ने अवतरित होकर क्षेत्रवासियों को सुख शांति का आशीर्वाद दिया। सीमांत जाख, सुनकुरी, जमरसों, सेलपेडू व चमदेवल के जिंडी में मेले का आयोजन किया गया। दोपहर बाद गौरा महोत्सव स्थल पर एकत्रित हुए महिलाओं और पुरुषों ने भूमिया देवता दैना होया फिर ऋतु खेलन ऊंना... का गायन कर गौरा मां को विदाई दी। जिंडी गांव से गौरा महेश की प्रतिमा को ढोल नगाड़ों के साथ चमदेवल शिवालय मंदिर में विर्सजन के लिए लाया गया। सुबह गौरा देवी मंदिर में पंडित मदन कलौनी ने पूजा अर्चना संपन्न कराई। आयोजन में प्रताप चंद, भगत राम, बृज मोहन, गोपाल राम, प्रेम चंद, रीता देवी, पुष्पा देवी, ललित चंद, खुशाल चंद, लक्ष्मण चंद, दीपक सिंह, दिनेश सिंह ने सहयोग दिया।

हाईवे में खड़े कैंटर से टकराया बाइक सवार

चम्पावत। टनकपुर-चम्पावत नेशनल हाईवे में एक बाइक सवार खड़े कैंटर से जा टकराया। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात हाईवे में ककराली गेट के समीप वार्ड नंबर तीन निवासी 60 वर्षीय वीरपाल की बाइक अनियंत्रित होकर सडक किनारे खड़े कैंटर से जा टकराई। हादसे में बुजुर्ग बुरी तरह से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। डॉ.कार्तिक ने बताया कि अधेड़ के सिर में काफी चोट आई है। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है।

आदित्य L-1 मिशन सूरज के हर राज से उठाएगा पर्दा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 सितम्बर चांद पर पहुंचने के बाद भारत अब सूर्य की ओर कदम बढ़ा रहा है. चंद्रयान-3 की सफलता के बाद देश गदगद है और ISRO पर नाज़ कर रहा है. इस बड़ी कामयाबी के बाद इसरो ने अपने अगले मिशन की तैयारी भी शुरू कर दी है और 2 सितंबर को सूर्य के चक्कर लगाने वाली सैटेलाइट आदित्य-एल1 को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा. यह मिशन अपने आप में खास है, क्योंकि भारत का यह पहला सौर मिशन है. जैसे चंद्रयान-3 चांद से रहस्यों का पता लगा रहा है, वैसे ही आदित्य एल-1 सूर्य का अध्ययन करेगा. ये मिशन क्या है, इसका बजट कितना है और इसका मकसद क्या है, यहां सब समझने की कोशिश करते हैं:

क्या है आदित्य एल-1 मिशन ?

पृथ्वी से सूर्य की दूरी काफी ज्यादा है, जिस तरह चांद का अध्ययन किया जा रहा है उसी तरह सूर्य का भी अध्ययन करने की तैयारी है. सूरज के आसपास कई लांग्रेज पॉइंट होते हैं, भारत का मिशन आदित्य एल-1 इन्हीं में से एक पॉइंट पर जाएगा. तभी इसका नाम आदित्य लांग्रेज-1 रखा गया है. जब श्रीहरिकोटा के स्पेस सेंटर से ये मिशन लॉन्च किया जाएगा, तब इसरो का मकसद इसे सूर्य के लांग्रेज बिंदु-1 पर स्थापित करने का होगा.पृथ्वी से इसकी दूरी 1.5 मिलियन किमी. है, यहां पर आदित्य एल-1 को स्थापित करने का फायदा है. इस पॉइंट से सूरज सातों दिन और 24 घंटे दिखाई पड़ता है, ऐसे में यहां से अध्ययन आसान होगा. इसरो के मुताबिक, आदित्य L-1 अपने साथ फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर और सूर्य की सबसे बाहरी परतों (कोरोना) का निरीक्षण करने के लिए सात पेलोड ले जाएगा. इनमें से 4 पेलोड का मकसद सूरज पर नज़र रखेंगे, बाकी 3 एल-1 पॉइंट के आसपास का अध्ययन करेंगे.

आदित्य एल-1 मिशन के सात पेलोड

इस मिशन को बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (IIA) ने तैयार किया है, जो कि विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ (YLC) पेलोड के विकास के लिए अग्रणी संस्थान है, जबकि इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे ने सोलर अल्ट्रावायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (SUIT) पेलोड इस

मिशन के लिए विकसित किया है. इसके भी अलग-अलग काम हैं, समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक YLC का मकसद ये पता लगाने का है कि कोरोना का तापमान 10 लाख डिग्री तक कैसे पहुंच सकता है, जबकि सूरज की सतह का तापमान 6000 डिग्री से थोड़ा ज्यादा होता है.

आदित्य एल-1 के बड़े मकसदः

सूर्य के आसपास के वायुमंडल का अध्ययन करना.क्रोमोस्फेरिक और कोरोनल हीटिंग की स्टडी करना, फ्लेयर्स पर रिसर्च करना.सौर कोरोना की भौतिकी और इसका तापमान को मापना.कोरोनल और कोरोनल लूप प्लाज्मा का निदान करना, इसमें तापमान, वेग और घनत्व की जानकारी निकालना.सूर्य के आसपास हवा की उत्पत्ति, संरचना और गतिशीलता को जांचना.

श्रीहरिकोटा से ही क्यों लॉन्च होते हैं ISRO के बड़े मिशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 सितंबर , चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग के बाद ISRO ने आदित्य एल-1 की लॉन्चिंग का ऐलान कर दिया है. 2 सितंबर को श्री हरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इसे लॉन्च किया जाएगा. यह भारत का पहला सोलर मिशन है, जिसकी लॉन्चिंग के लिए एक बार फिर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने श्रीहरिकोटा को चुना है.श्रीह-रिकोटा भारत का लॉन्चिंग स्टेशन है, 1971 के बाद से इसरो ने जितने भी बड़े मिशन किए हैं उन सबकी लॉन्चिंग इसी लॉन्चिंग पैड से की गई है. आंध्रप्रदेश के तट पर बसे इस द्वीप को भारत का प्राइमरी स्पेस पोर्ट भी कहा जाता है. यह श्रीहरिकोटा सुल्लुरपेटा मंडल में है जो भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बहुत ही महत्व रखता है. यहां 1971 में ही सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र की स्थापना की गई थी.

श्रीहरिकोटा आखिर क्यों है खास ?

श्रीहरिकोटा में ही सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र है, जहां से इसरो सभी मिशन लॉन्च करता है, यह स्थान इक्वेटर यानी की भूमध्य रेखा के पास है. जितने भी स्पेस क्राफ्ट या सैटेलाइट धरती की ऑर्बिट में घूम रहे हैं, इन्हें इक्वेटर से पास से ही इंजेक्ट किया जाता है. इसीलिए श्री हरिकोटा से रॉकेट लांच करने से मिशन का सक्सेस रेट बढ़ता और मिशन की लागत भी कम आती है.अंतरिक्ष मिशन लांच करने के लिए स्पेस पोर्ट ऐसे स्थान पर बनाया जाता है जो भीड़ भाड़ और लोगों की आवाजाही से दूर हो. श्री हरिकोटा इसके लिए बिल्कुल परफेक्ट है. यह आंध्रप्रदेश से जुड़ा एक द्वीप है, जिसके दोनों ओर समुद्र है. ऐसे में यहां से लांच के बाद किसी रॉकेट के अवशेष सीधे समुद्र में गिरते हैं, यदि मिशन को कोई खतरा भी होता है तो उसे समुद्र की दिशा में मोड़कर जनहानि से बचा जा सकता है.

मौसम भी है प्रमुख वजह

स्पेस मिशन लांच करने के लिए श्रीहरिकोटा को चुनने की वजह मौसम भी है, दरअसल यह एक द्वीप है, इसलिए यहां मौसम सामान्यतः एक सा ही रहता है. बारिश के मौसम को छोड़ दें तो तकरीबन दस महीने यहां मौसम सूखा ही रहता है. इसीलिए इसरो श्रीहरिकोटा को ज्यादा तरजीह देता है.

भगवान को 60 तरह की सिगरेट और 40 तरह की शराब का लगता है भोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 सितम्बर , हिंदुस्तान की संस्कृति-सभ्यता पूरे विश्व में मशहूर है। इसकी संस्कृति में भगवान का प्रसाद भी शामिल है जिसका हमारे यहां काफी महत्व है। ये प्रसाद भोग, मूर्तियों के लिए वस्त्र आदि हो सकते हैं। वैसे तो हमारे हिन्दू धर्म में हज़ारों देवी-देवता हैं और उनके लिए विशेष प्रकार का प्रसाद बनता है परंतु भगवान शिव के प्रसाद की बात ही कुछ अलग है। आज हम आपको उज्जैन के बाबा भैरवनाथ के प्रसाद के विषय में बताएंगे जहां के भोग के तौर पर 40 तरह के शराब तथा 60 तरह के सिगरेट चढ़ाया जाता है।

भगवान काल भैरव

भगवान काल भैरव मंदिर शिप्रा नदी के तट पर स्थित है। वहां के प्रसाद की अपनी एक अलग ही प्रतिष्ठा है। जानकारी के अनुसार यहां ऐतिहासिक महत्व है कि इसका निर्माण राजा भद्रसेन ने किया था। भैरव अष्टमी के शुभ मौके के साथ अपने देवता को बेहतर भेंट चढ़ाने हेतु इस मंदिर का द्वार खोला गया। यह मंदिर उज्जैन में स्थित है जब यह मंदिर खोला गया तो यहां 1351 प्रकार के भोग चढ़ाए गए। तब से यहां महत्व बढ़ गई अब हर वर्ष यहां भगवान शिव का श्रृंगार होता है और उन्हें "महा भोग" लगाया जाता है।

भोग में चढ़ता है 1352 तरह के भेंट

यहां जो 1351 भोग लगते हैं उसमें चरस, भांग , शराब, सिगरेट आदि कई प्रकार के पदार्थ मौजूद हैं। इन सारे प्रसादों को एक जगह इकट्ठा किया जाता है और भगवान को चढ़ाने के बाद उनके भक्तों को प्रसाद के तौर पर वितरित कर दिया जाता है। भक्त भी इस प्रकार से काफी खुश होते हैं। भगवान के इस मंदिर में काफी भीड़ भी लगती है और भक्त भगवान के दर्शन के लिए कतारबद्ध रहते हैं।

रोडवेज नहीं गोलू भाई ने बहनों को मुफ्त सैर कराई

बागेश्वर। राज्य सरकार की ओर से रोडवेज के माध्यम से रक्षाबंधन के दिन बहनों को मुफ्त यात्रा का नियम है लेकिन यहां रोडवेज की बसें कम होने के कारण बहनों को इस योजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका, लेकिन धरमघर-कोटमन्या रूट के ट्रेवलर नैना उर्फ गोलू भाई ने हर साल साल तरह इस साल भी बहनों को मुफ्त यात्रा कराई, जबकि बागेश्वर-रीमा-धरमघर-कोटमन्या सडक़ पर 75 किमी रूट पर आने-जाने का किराया 280 रुपये प्रति यात्री है। सोमवार को मुफ्त यात्रा करने वाली कई बहनों ने गोलू व वाहन चालक नयना की कलाई में राखी बांधी और उनके सुखमय जीवन की कामना की। गोलू भाई की 22 सीटर ट्रेवलर बागेश्वर से रोजाना सुबह सात बजे चलती है। कोटमन्या से ट्रेवलर बागेश्वर के लिए दोपहर एक बजे लौटती है। वाहन स्वामी से अधिक लोग वाहन चालक को जानते हैं। नयना यात्रियों के अलावा लोगों का सामान भी सुरक्षित पहुंचाते हैं। सोने से लेकर लोहा तक लोग उसके हाथ भेजते हैं। वाहन स्वामी व चालक दुग नाकुरी तहसील के अलावा कांडा तहसील के लोगों को सेवा दे रहे हैं।

प्रॉपर्टी खरीदने से पहले 3/20/30/40 वाला फॉर्मूला जरूर समझें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 सितम्बर , घर खरीदने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए. ऐसा क्या करना चाहिए कि घर भी खरीद लिया जाए और परिवार की आम जरूरतों में कोई कमी भी न पड़े. फाइनेंशियल प्लानिंग का अभाव कई बार दिक्कतों में डाल देता है. वित्तीय ज्ञान की कमी से कई बार यह समझ नहीं आता कि क्या किया जाए. यहाँ एक ऐसा फॉर्मूला है जो घर खरीदने के समय ध्यान रखना चाहिए.

दरअसल आखिर क्या किया जाए और कैसे किया जाए कि घर भी ले लें और आम जरूरत के खर्चों में किसी प्रकार की दिक्कत भी न आए. इसी के लिए वित्तीय प्लानर या वित्त मामलों के जानकारों ने घर खरीदने के लिए लोगों को एक फॉर्मूला भी समझाया है. इस फॉर्मूला को समझने के साथ ही अपने जीवन में उतारने से कम से कम एक आम नागरिक कुछ मामलों में अपने कष्टों को कम कर सकते हैं. यह तो तय है कि सभी फॉर्मूलों का आधार आपकी कमाई होती है. घर या फ्लैट छोटा होगा या

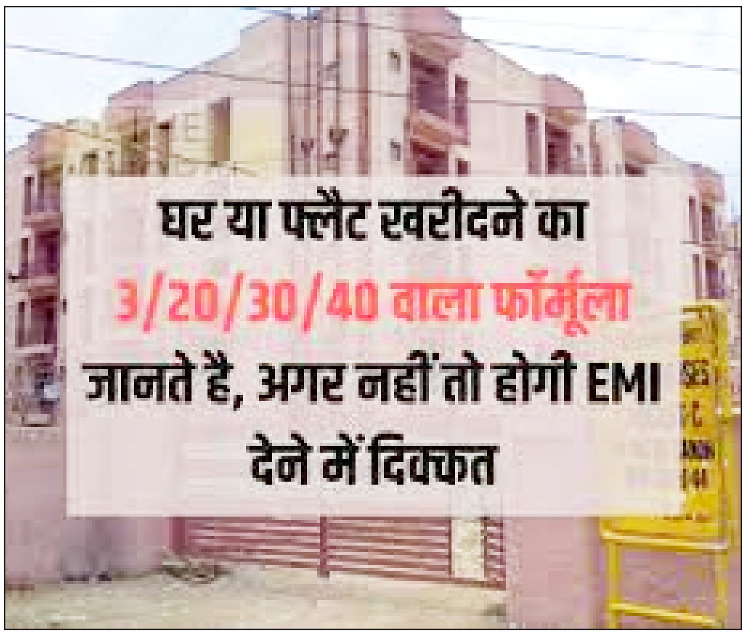

बड़ा, यह किसी भी आदमी की तत्कालीन कमाई पर निर्भर करता है.

यह फॉर्मूला 3/20/30/40 है. इस फॉर्मूला के तहत 3 यानी घर की कुल लागत. यह किसी भी व्यक्ति की वार्षिक आय का तीन गुणा से अधिक नहीं होनी चाहिए. यानी 8 लाख रुपये सालाना कमाने वाले व्यक्ति के लिए घर की कीमत 24 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए.दूसरा अंक 20 है . अपने लोन को 20 वर्ष या उससे कम समय तक का ही रखें. लोन जितना कम समय के लिए रखा जाए उतना अच्छा होता है. कोशिश यह भी होनी चाहिए कि लोन कम राशि का हो. जितना कम हो उतना अच्छा होता है. कम अवधि के लिए लोन होगा तो कम ब्याज देना होगा. हालांकि ईएमआई कुछ ज्यादा होगी. कम राशि का लोन होगा तो कम ब्याज देना होगा.

इसके बाद अगला अंक 30 है. यह आपको तय करना है कि आप जो भी महीने में ईएमआई दें वे आपकी कुल मासिक कमाई का 30 फीसदी से ज्यादा न हो. यह आपको ध्यान रखना चाहिए उसमें होम लोन, कार लोन आदि सभी लोन की ईएमआई आ जाए. इसका ध्यान आपको रखना होगा. आप ऐसे समझ सकते हैं कि यदि किसी व्यक्ति की कुल आय 8 लाख रुपये सालाना है तो वह सालाना 240000 की वार्षिक किस्त वहन कर सकता है. यानी वह एक महीने में ज्यादा से ज्यादा 20000 हजार की किस्त दे सकता है. फॉर्मूला में अंतिम नंबर 40 है . घर खरीदते समय हमें डाउनपेमेंट करना होता है. यह डाउन-पेमेंट कितना हो चाहिए. यह संख्या तय करती है. इस फॉर्मूला के हिसाब से आपको घर खरीदते समय अपने घर की कुल कीमत का 40 फीसदी के करीब डाउन पेमेंट करना चाहिए. यहां यह भी साफ है कि आपके पास कम से कम घर खरीदने से पहले इतनी राशि हो कि आप इतना डाउन पेमेंट कर सकें. ऐसा करने के बाद आप अपनी अन्य जरूरतों को समय पर बिना किसी समस्या के पूरा कर पाएंगे.यहां गौर करने की बात यह है कि बैंक हों या लोन देने वाली कोई और एजेंसी हो वे सभी आपको यह बताएंगे कि आपको केवल 10 फीसदी का अमाउंट ही डाउन पेमेंट करना है. लेकिन यह आपको तय करना है कि आप किस प्रकार अपनी वित्तीय योजना का क्रियान्वयन करते हैं.

बड़ी खबर ! सितंबर में है सात जरूरी कामों की डेडलाइन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 सितम्बर , अगस्त का महीना खत्म हो गया है और अब सितंबर में कई ऐसे काम हैं, जिनका किया जाना जरूरी है। ₹2000 के नोट जमा/एक्सचेंज, छोटी बचत योजनाओं के लिए आधार नंबर जमा करना और मुफ्त आधार अपडेट सहित विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं और सरकारी नीतियों की समय सीमा समाप्त हो रही है। इनमें से अधिकांश समय सीमाएं पहले ही बढ़ा दी गई हैं और अब अस्थायी रूप से अगले महीने के अंत तक समाप्त हो रही हैं।

2000 के नोट वापस करने की लास्ट तारीख

वित्त मंत्रालय ₹2000 के नोट जमा करने या बदलने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की 30 सितंबर की तारीख ही लास्ट तारीख है। जुलाई के अंत में लोकसभा में एक लिखित उत्तर में, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इस सवाल का जवाब दिया कि क्या बैंकों में ₹2000 के एक्सचेंज की समय सीमा को 30 सितंबर से आगे बढ़ाने का प्रस्ताव है? उन्होंने तारीख को बढ़ाने से मना कर दिया था।19 मई को, RBI ने ₹2,000 के नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की, लेकिन जनता को ऐसे नोटों को या तो खातों में जमा करने या बैंकों में बदलने के लिए चार महीने से अधिक का समय दिया।

लघु बचत योजनाओं के लिए आधार नंबर जमा करना

31 मार्च की एक अधिसूचना में, वित्त मंत्रालय ने PPF, सुकन्या समृद्धि योजना (SSY), नेशनल बचत प्रमाणपत्र जैसी छोटी बचत योजनाओं में निवेश करने वाले ग्राहकों को नो योर कस्टमर (KYC) अपडेट करने के लिए आधार नंबर जमा करने के लिए 30 सितंबर तक छह महीने

की अवधि दी है।

डीमैट, ट्रेडिंग खातों के लिए नामांकन की अंतिम डेट

लाइव मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (Sebi) ने मार्च में मौजूदा पात्र ट्रेडिंग और डीमैट खाताधारकों के लिए अपने खातों के लिए एक लाभार्थी को नामांकित करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी थी।

आधार फ्री अपडेट

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) ने जून में मुफ्त आधार कार्ड अपडेट की समय सीमा तीन महीने बढ़ाकर 14 सितंबर तक कर दी थी।

Axis Bank Magnus Credit Card

एक्सिस बैंक ने एक सर्कुलर के माध्यम से सूचित किया कि 1 सितंबर से ग्राहकों के लिए वार्षिक शुल्क ₹10,000 + जीएसटी से बढ़ाकर ₹12,500 + जीएसटी कर दिया जाएगा। ₹10,000 के वाउचर का वार्षिक लाभ बंद कर दिया जाएगा। ₹1,00,000 के मासिक खर्च पर 25,000 EDGE रिवॉर्ड पॉइंट का मासिक माइलस्टोन लाभ 1 सितंबर से बंद कर दिया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए SBI We-Care FD

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए अपनी विशेष एफडी योजना SBI WeCare FD के लिए अपनी समय सीमा बढ़ा दी है, जो बुजुर्गों को 5 साल से 10 साल के बीच की अवधि पर उच्च ब्याज दर प्रदान करती है। लाइव मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, SBI We-Care को 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है।

IDBI अमृत महोत्सव एफडी

IDBI बैंक ने अपनी विशेष एफडी योजना 'अमृत महोत्सव' की वैधता अवधि बढ़ा दी है, जो दो कार्यकालों के लिए 7.10% से 7.65% की सीमा में ब्याज दरें प्रदान करती है। अमृत महोत्सव एफडी को अब 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। इस योजना में, वरिष्ठ नागरिक सामान्य व्यक्तियों की तुलना में अधिक ब्याज दर अर्जित करते हैं।

रोडवेज नहीं गोलू भाई ने बहनों को मुफ्त सैर कराई

बागेश्वर। राज्य सरकार की ओर से रोडवेज के माध्यम से रक्षाबंधन के दिन बहनों को मुफ्त यात्रा का नियम है लेकिन यहां रोडवेज की बसें कम होने के कारण बहनों को इस योजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका, लेकिन धरमघर-कोटमन्या रूट के ट्रेवलर नैना उर्फ गोलू भाई ने हर साल साल तरह इस साल भी बहनों को मुफ्त यात्रा कराई, जबकि बागेश्वर-रीमा-धरमघर-कोटमन्या सडक़ पर 75 किमी रूट पर आने-जाने का किराया 280 रुपये प्रति यात्री है। सोमवार को मुफ्त यात्रा करने वाली कई बहनों ने गोलू व वाहन चालक नयना की कलाई में राखी बांधी और उनके सुखमय जीवन की कामना की। गोलू भाई की 22 सीटर ट्रेवलर बागेश्वर से रोजाना सुबह सात बजे चलती है। कोटमन्या से ट्रेवलर बागेश्वर के लिए दोपहर एक बजे लौटती है। वाहन स्वामी से अधिक लोग वाहन चालक को जानते हैं। नयना यात्रियों के अलावा लोगों का सामान भी सुरक्षित पहुंचाते हैं। सोने से लेकर लोहा तक लोग उसके हाथ भेजते हैं। वाहन स्वामी व चालक दुग नाकुरी तहसील के अलावा कांडा तहसील के लोगों को सेवा दे रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

भेल परिसर और जगजीतपुर में हाथियों के आवागमन से लोगों में दहशत

हरिद्वार। राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क की सीमा से लगे भेल परिसर और वन विभाग की सीमा से लगे जगजीतपुर गांव के आबादी क्षेत्र में पिछले एक हफ्ते से टस्कर हाथियों का आवागमन लगातार बढ़ रहा है। आबादी क्षेत्र में हाथियों के आने से लोगों में दहशत है। भेल क्षेत्र में हाथियों को रोकने के लिए राजाजी टाइगर रिजर्व और हरिद्वार वन प्रभाग की संयुक्त टीम बनाई जा रही है। राजाजी टाइगर पार्क की सीमा से निकलकर आए दिन टस्कर हाथी भेल परिसर क्षेत्र में आ रहे हैं। गुरुवार की दोपहर पार्क की सीमा से निकलकर टस्कर भेल परिसर अस्पताल के पास पहुंच गया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे शिवालिक नगर पालिका के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने भेल क्षेत्र में टस्कर हाथी के आने की सूचना दी। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि पिछले दो-तीन दिन से भेल अस्पताल के पास टस्कर हाथी का आवागमन लगातार हो रहा है। भेल परिसर के साथ ही हरिद्वार वन प्रभात की सीमा से लगे जगजीतपुर गांव की आबादी क्षेत्र में भी टस्कर हाथियों का आवागमन लगातार बढ़ रहा है। हाथी गन्ने और धान की फसल खाने के लिए आबादी क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। डीएफओ नीरज शर्मा ने बताया कि भेल परिसर में हाथियों के आवागमन को रोकने के लिए राजाजी टाइगर रिजर्व और वन विभाग की संयुक्त टीम गठित का गठन किया जा रहा है। जो हाथियों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने का काम करेगी। जगजीतपुर में भी वन विभाग की टीम को गश्त बढाने के निर्देश दिए हैं।

एक हफ्ते में बदली दूसरी पार्टी

बागेश्वर। बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुंदर कुमार स्यूनियाल ने एक हफ्ते के भीतर दूसरी पार्टी बदल ली है। जिस पार्टी में वह जा रहे हैं वहां उनका भव्य स्वागत भी हो रहा है। एक हफ्ते पहले उन्होंने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ली। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा समेत भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने भाजपा को जिताने की अपील भी की, लेकिन गुरुवार को वह कांग्रेस में आ गए हैं। कांग्रेस प्रत्याशी बसंत कुमार ने उनका स्वागत किया। सुंदर ने कहा कि कुछ समय के लिए वो बहक गए थे, जिस कारण वे बीजेपी में शामिल हुए, लेकिन अब बसंत कुमार के पक्ष में प्रचार प्रसार करंगे। उनको जिताने का काम करेंगे।

सौरभ बहुगुणा, रेखा आर्या ने की चुनावी सभा

बागेश्वर। जनपद के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा व रेखा आर्या ने गरुड़ के कई गांवों में जनसभा कर भाजपा के पक्ष में वोट मांगे। उन्होंने पार्वती दास को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस मौके पर दर्जनों ग्रामीणों ने भाजपा की सदस्यता ली। गरुड़ के लौबांज, भोजगण,भेटा, दर्शानी, गरुड़ बाजार, नौघर, टीटबाजार, पाये आदि गांवों में आयोजित जनसभाओं में प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि स्व. चंदन राम दास ने बागेश्वर विधानसभा में ऐतिहासिक विकास कार्य किए हैं। गांव- गांव सडक़ों का जाल बिछाया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष भले ही कितना दुष्प्रचार करे, लेकिन जनता उनके विकास कार्यों को अच्छी तरह जानती है। उन्होंने कहा कि स्व. दास को हमेशा बागेश्वर जिले के विकास की चिंता रहती थी। उन्होंने पार्वती दास के लिए वोट मांगते हुए कहा कि स्व. दास के अधूरे कार्यों को उनकी धर्मपत्नी पार्वती दास आगे बढ़ाएगी। उन्होंने लोगों से डबल इंजन की सरकार को और मजबूत बनाने की अपील की। इस मौके पर कई ग्रामीण महिलाओं ने प्रभारी मंत्री को राखी बांधकर भाजपा को विजयी बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान विधानसभा संयोजक शिव सिंह बिष्ट, कुमाऊं संयोजक जगदीश आर्य, बहादुर कोरंगा, मनोज बिष्ट, आनंद सिंह कोरंगा, मनोज बिष्ट, करन सजवान, जगत सिंह, शंकर सिंह, देवेंद्र गोस्वामी, जनार्दन लोहुमी, मधुसूदन जोशी, नवीन खोलिया, राजू नेगी आदि उपस्थित थे। इधर सांसद अजय टम्टा ने पार्वती दास के साथ नगर मंडल के बनखोला, मंडलसेरा वार्ड वार्ड में भ्रमण किया और भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। इस दौरान युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भाई शशांक रावत, जिला पंचायत बसंती देव, महेश खेतवाल, मथुरा प्रसाद, मनोज ओली आदि मौजूद रहे।

खीमपाल ने स्वर्ण व राधिका ने जीता रजत पदक

बागेश्वर। जवाहर नवोदय विद्यालय सिमार के खिलाड़ी राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर लौटे। यहां पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। प्राचार्य किशोर तिवारी ने बताया कि स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स खेड़ा गुजरात में आयोजित राष्ट्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में जवाहर नवोदय विद्यालय सिमार के खिलाडियों का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। राधिका ने जैवलिन थ्रो में रजत और खीमपाल सिंह टाकुली ने शॉटफुट थ्रो में स्वर्ण पदक जीता है।

पद्मश्री प्रोफेसर जे'एस टिटियाल ने नेत्र बैंकिंग की बताई अहमियत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 सितंबर, पद्मश्री प्रोफेसर जे'एस टिटियाल, प्रमुख, डॉ. आरपी सेंटर ऑफ ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स दिल्ली को 38वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े (25 अगस्त से 8 सितंबर 2023) पर सरकारी दून मेडिकल कॉलेज में अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसका विषय था नेत्र बैंकिंग और समाज पर इसका प्रभाव उन्होंने न केवल कॉर्निया की पुनर्प्राप्ति बल्कि ग्राफ्ट के सफल प्रत्यारोपण के साथ-साथ 2 रोगियों में एक कॉर्निया के उपयोग को बढ़ाने के लिए *लैमेलर केराटोप्लास्टी में प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिज्ञा प्रपत्र ऑनलाइन/ऑफ़लाइन और साइलोथॉन/वॉक जैसे कई तरीकों का उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने मिडिल स्कूल शिक्षण में अंग दान को भी शामिल करने की बात कही। प्रोफेसर डॉ. युसूफ रिजवी ने बातचीत के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और मोमेंटो सौंपा। डॉ. सुशील ओझा एसोसिएट प्रोफेसर नेत्र विज्ञान ने प्रोफेसर डॉ. जे.एस. टिटियाल सर का संक्षिप्त परिचय दिया और बातचीत के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। डॉ. नीति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर नेत्र विज्ञान और मेडिकल डायरेक्टर आई बैंक, एम्स ऋषिकेश ने हॉस्पिटल कॉर्नियल रिट्रीवल प्रोग्राम (एच-आरसीपी) के बारे में अपने अनुभव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचआ-रसीपी में दानदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। उत्तराखंड राज्य में कॉर्निया पुनर्प्राप्ति का 70% योगदान एम्स ऋषिकेश का है।

प्रिंसिपल जीडीएमसी प्रोफेसर डॉ. आशुतोष सयाना ने बताया कि कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के नए मामलों की तुलना में दानदाताओं की संख्या कम होने के कारण साल दर साल बैकलॉग बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हर साल अंधेपन के लिए कॉर्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले लगभग 50000 नए मामलों में से लगभग 25000 कॉर्निया प्रत्यारोपण हुए। वर्तमान में लगभग 1.2 लाख लोगों को अंधेपन के लिए कॉर्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। उन्होंने दर्शकों को आगे बताया कि जीडीएमएस बहुत जल्द जीडीएमसी देहरादून में राज्य अंग प्रत्यारोपण संगठन केंद्र (सोटो) खोलने जा रहा है। इसलिए जीडीएमसी कॉर्निया के साथ-साथ अन्य अंग प्रत्यारोपण भी शुरू करेगी।डॉ. नीरज सारस्वत सहायक प्रोफेसर नेत्र विज्ञान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।दर्शकों में एमबीबीएस छात्रों के साथ-साथ उनके माता-पिता, प्रोफेसर डॉ शांति पांडे, प्रोफेसर डॉ एएन सिन्हा, डॉ अभय कुमार, डॉ हिमानी पाल, डॉ दीपक जुयाल, डॉ गौरव कुमार, डॉ दिव्या खंडूरी मौजूद थे।

साइकिल पर 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने निकले बंशीधर झा

हरिद्वार। साइकिल पर 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने निकले बिहार के बंशीधर झा का धर्मनगरी पहुंचने पर मातृ सदन आश्रम में स्वागत किया गया। बंशीधर 35 दिन की साइकिल यात्रा कर मधुबनी बिहार से उत्तराखंड पहुंचे। उत्तराखंड में बंशीधर ने साइकिल से चारधाम यात्रा पूरी की है। आगे की यात्रा पूरी करने के लिए वह उज्जैन के लिए रवाना हुए है। बंशीधर के बताया कि उनके मन में बचपन से 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने की अभिलाषा थी। आर्थिक कारण से बंशीधर ने इसे पूरा करने के लिए साईकिल पर यात्रा शुरू की। हरिद्वार पहुंचने पर मातृ सदन आश्रम में स्थानीय निवासी रोशन झा, नारायण झा, नीरज आदि ने उनका स्वागत किया। बताया कि यात्रा मार्ग पर महादेव के भक्त उनकी सहायता कर रहे है।

संपादकीय

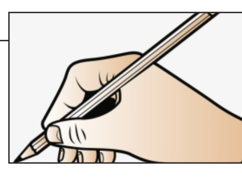

महंगाई, बेकारी का चुनाव

चुनावी मौसम छाने लगा है, तो महंगाई और बेरोजगारी दरों की गर्मागर्म चर्चा छिड़ी है। कुछ सर्वे सामने आए हैं, जिनमें औसतन 25 फीसदी लोगों ने महंगाई और बेरोजगारी पर चिंता और सरोकार जताए हैं। ये आम चुनाव 2024 के प्रमुख मुद्दे बनेंगे अथवा नहीं, उसके मद्देनजर कुछ इंतजार करना पड़ेगा। राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना आदि राज्यों के जनादेश क्या होंगे, उनसे भी बहुत कुछ स्पष्ट होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने रसोई गैस सिलेंडर 200 रुपए सस्ता किया है। देश के निम्न-मध्य वर्ग के लिए 903 रुपए का सिलेंडर भी महंगा है। सिलेंडर उपभोक्ताओं की कुल संख्या 31.4 करोड़ है, जिसमें 10.35 करोड़ 'उज्ज्वला योजना' के लाभार्थी हैं। उन्हें गैस सिलेंडर 700 रुपए का मिलेगा। बुनियादी सवाल महंगाई का है, जिसकी जुलाई में खुदरा दर 7.44 फीसदी थी। यह बीते 15 माह के रिकॉर्ड स्तर पर थी। जुलाई में ही उपभोक्ता खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति की दर 11.5 फीसदी थी। मुद्रास्फीति की उच्चतम दर मोदी सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने तय कर रखी थी कि वह 6 फीसदी से नीचे ही रहनी चाहिए। सरकार उसमें लगभग सफल रही थी, लेकिन अब हदें लांघ दी गई हैं, तो सरकार भी चिंतित लग रही है। महंगाई का असर चौतरफा होता है। चूंकि अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है, तो बेरोजगारी दर 7.9 फीसदी भी चुभती है। यह दर अमरीका, ब्रिटेन, चीन, जापान और जर्मनी आदि बड़े देशों की बेकारी दर से अधिक है। अब मोदी सरकार सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने और पेट्रोल-डीजल को कुछ सस्ता करने पर विचार कर रही है। केंद्र सरकार आधा दर्जन बार उत्पाद शुल्क बढ़ा कर 27 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा देशवासियों से वसूल चुकी है। तेल-गैस कंपनियों ने भी करीब 35,000 करोड़ रुपए का मुनाफा कूट लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत अब 86 डॉलर प्रति बैरल है। रूस से अपेक्षाकृत सस्ता तेल आयात किया जा रहा है, लेकिन आम उपभोक्ता को महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ रहा है। वह राज्यों की अर्थव्यवस्था का भी बुनियादी स्रोत है, लिहाजा राजस्थान, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना सरीखे राज्यों में सर्वाधिक महंगाई है। फिर भी राज्य सरकारें 'रेवड़ी' बांटने में जुटी हैं, क्योंकि वोट चाहिए। चूंकि पांच राज्यों के बाद लोकसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा मोदी सरकार भी नहीं चाहेगी कि महंगाई इतना बड़ा मुद्दा बने, जो चुनावों को प्रभावित कर सके। नतीजतन महंगाई पर मंथन जारी है। देशवासियों को और भी राहतें दी जा सकती हैं। बेशक अब टमाटर बाजार में सस्ता हो गया है, लेकिन वह करीब 1400 फीसदी तक महंगा हुआ था। जमाखोरों पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। सब्जियां अब भी औसतन 37 फीसदी महंगी हैं। यदि बेरोजगारी की दर की बात करें, तो बीते 14 माह में, रोजगार मेलों के जरिए, करीब 5.5 लाख नियुक्ति-पत्र ही बांटे गए हैं। 2014-22 के दौरान 22.05 करोड़ लोगों ने नौकरी के लिए आवेदन किया, लेकिन 7.22 लाख को ही नौकरी नसीब हो सकी। प्रति वर्ष औसतन 90,000 नागरिकों को ही केंद्र में नौकरी मिल सकी। राज्यों में रोजगार की स्थिति क्या है, उस पर कोई नियमित डाटा उपलब्ध नहीं है। भारत सरकार भी पूरा और नियमित डाटा नहीं देती है, लिहाजा मांग उठने लगी है कि मोदी सरकार नौकरियों को लेकर 'श्वेत-पत्र' जारी करे। उसमें सरकारी, निजी और कॉरपोरेट क्षेत्रों को शामिल किया जाए कि किसने, कितनी नौकरियां और किन विभागों में मुहैया कराई हैं। दरअसल वोट हासिल करने को महिलाओं पर राजनीति और रणनीति केंद्रित है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

उल्लास और पारंपरिक तरीके से मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

हरिद्वार। भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार धर्मनगरी में उल्लास और पारंपरिक तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाइयों का तिलक कर राखी बांधी। बदले में भाइयों ने भी बहनों को उपहार और रक्षा का वचन दिया। बुधवार की अपेक्षा गुरुवार को अधिकांश लोगों ने इस पर्व को मनाया। गुरुवार को रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर भाई- बहनों में उत्साह नजर आया। घरों में सुबह के समय परंपरा के मुताबिक पूजा अर्चना की गई। दरवाजों की चौखट पर राम-राम, राधा-कृष्ण, शुभ- रक्षाबंधन जैसे शब्द लिखे गए। बहनों ने शुभ मुहूर्त पर भाइयों को तिलक किया और कलाई पर राखी बांधी। उनकी आरती उतार लंबी आयु कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार दिए। साथ ही उनकी रक्षा करने का वचन दिया। बहनें ससुराल से मायके आई और भाइयों को राखी बांधी। कई जगह भाई राखी बंधवाने के लिए बहनों के ससुराल गए। जो भाई-बहन किन्हीं कारणों से एक दूसरे को राखी नहीं बांध सके उन्होंने भगवान गणेश की प्रतीमा को राखी बांधी।

ऑनलाइन भी मनाया त्योहारः पढ़ाई और नौकरी के चलते परिवार से दूर रहने पर भाई-बहनों ने ऑनलाइन त्योहार मनाया। बहनों ने हरिद्वार में रहने वाले भाइयों को ऑनलाइन तिलक कर उनकी दीर्घायु की कामना की। राखी ऑनलाइन पहले ही भेज दी थी। वीडियो कॉल कर बहनों ने भाइयों की दीर्घायु की कामना की।

मिठाई की दुकानों पर भीड़ः रक्षाबंधन पर मिठाई की खूब खरीदारी हुई। बुधवार की रात को हरिद्वार में मिठाई की दुकानों पर काफी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान बहुत सी अस्थायी मिठाई की दुकानें भी कनखल, ज्वालापुर और उत्तरी हरिद्वार क्षेत्र में खुलीं। इधर भाईयों ने अपनी बहनों को ऑनलाइन गिफ्ट भी दिए।

अश्लील वीडियो और फोटो बना विवाहिता को किया ब्लैकमेल, केस दर्ज

हरिद्वार। शहर कोतवाली क्षेत्र निवासी महिला की फोटो और वीडियो एडिट कर अश्लील बनाकर ब्लैकमेल किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि युवक महिला की डेढ़ माह की बच्ची के अपहरण करने धमकी भी दे रहा है। पांच लाख रुपये और सोने की मांग की गई।

पुलिस के मुताबिक उत्तरी हरिद्वार क्षेत्र निवासी एक युवती की शादी साल 2021 में हुई थी। काफी समय से ललतारौ पुल निवासी नमन उसे सोशल मीडिया पर फर्जी नामों से आईडी बनाकर परेशान कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बाइक सवार दंपति कार की चपेट में आने से घायल

रुडक़ी। रक्षाबंधन मनाने झबरेड़ा जा रहे बाइक सवार दंपति कार की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्राम नागल निवासी अमर अपनी पत्नी सुरेखा के साथ रक्षाबंधन मनाने झबरेड़ा जा रहे थे। ग्राम खडख़ड़ी के पास तेज गति से आ रही कार की चपेट में आने से बाइक सवार पति-पत्नी सडक़ पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। कार चालक मौके से फरार हो गया। वहां से गुजर रहे लोगों ने घायलों को उपचार के लिए कस्बा स्थित एक अस्पताल तक पहुंचाया और घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दी। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मायके नहीं भेजा तो रेलवे ट्रैक पर जा बैठी महिला

रुडक़ी। लक्सर के अकौढा खुर्द की एक 50 वर्षीय महिला का मायका ज्वालापुर में है। बताया गया है कि महिला कई साल से अपने मायके नहीं गई थी। इस बार रक्षाबंधन पर मायके जाने को उत्सुक महिला ने कई दिन पहले से ही अपने भाई को राखी बांधने मायके जाने की मांग कर रही थी लेकिन, पति उसे भेजने की बात से सहमत नहीं था। गुरुवार जब सुबह महिला मायके जाने के लिए तैयार हुई तो पति ने उसे जाने से मना कर दिया। इससे नाराज महिला चुपचाप लक्सर पहुंची और फ्लाईओवर के नीचे रेल की पटरी पर बैठ गई। बालावाली की तरफ से ट्रेन आती दिखी तो वहां मौजूद लोगों ने उसे हटने को कहा लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रही। हालांकि, लोगों ने उसे किसी तरह वहां से हटाया और लक्सर जीआरपी और आरपीएफ को मामले की सूचना दी।

विवाद में घायल युवक की अस्पताल में मौत

रुडक़ी। पिछले हफ्ते मुंडाखेड़ा कलां में मामूली विवाद के बाद एक युवक ने घर में सोए दूसरे युवक का सिर ईंटों से कुचल दिया था। घायल युवक एम्स में भर्ती था। गुरुवार सुबह अस्पताल में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में जानलेवा हमले का मामला दर्ज किया था। 21 अगस्त को मुंडाखेड़ा कलां गांव निवासी एक व्यक्ति के घर में समारोह था। इस दौरान गांव के जॉनी उर्फ जनेश्वर और गांव के मनोज के बीच किसी बात पर कहासुनी हुई थी। गांव के जिम्मेदार लोगों ने समझा बुझाकर दोनों को घर भेज दिया था। आरोप है कि रात को मनोज जॉनी के घर में घुसा और एक ईंट उठाकर सो रहे जॉनी का सिर कुचल दिया। शोर सुनकर घर के लोग आए तो मनोज भाग गया।

सोलानी तटबंध टूटने के मामले में जांच के आदेश

रुडक़ी। हिन्दू जागरण मंच ने कुछ लोगों की ओर से सोलानी का तटबंध जान बूझकर तोडऩे की शिकायत एसडीएम से की। तटबंध टूटने से लक्सर क्षेत्र में भयंकर बाढ़ आई थी। इसकी एक वीडियो हाल ही में वायरल भी हुई है। एसडीएम ने इसकी शिकायत को गंभीरता से लेकर जांच के आदेश दिए हैं। लक्सर में मखियाली गांव के पास 11 जुलाई की शाम सोलानी नदी का तटबंध टूट गया था। इससे लक्सर नगर और देहात क्षेत्र को कई दिन तक बाढ़ आपदा का सामाना करना पड़ा था। आपदा में जानमाल का काफी नुकसान हुआ है। खुद मुख्यमंत्री को भी लक्सर आना पड़ा था। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुई है। इसमें लोगों की भीड़ कुदाल और फावड़ों से तटबंध तोड़ती दिख रही है। भीड़ में बात कर रहे लोगों की भाषा भी स्थानीय ही है।

धरधार हथियार से हमले में बुजुर्ग की मौत

रुडक़ी। पुश्तैनी संपत्ति के विवाद में गंडासों से हमले में घायल बुजुर्ग की एम्स ऋषिकेश में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। इसमें पहले से दर्ज जानलेवा हमले के मुकदमे में अब पुलिस हत्या की धारा बढ़ा दी है। रायसी पुलिस चौकी क्षेत्र के केवलपुरी गांव में जगवीर और रणधीर एक ही परिवार के हैं। पुश्तैनी संपत्ति के बंटवारे को लेकर दोनों के बीच काफी दिनों से विवाद चल रहा है। इसी 26 अगस्त की रात जगवीर के परिवार के 75 साल के बुजुर्ग कल्याण घर के पास घेर के आंगन में अकेले सो रहे थे। आरोप है कि दूसरे पक्ष के बच्चन पुत्र रणधीर और बिंदा उर्फ रोबिन पुत्र बीरबल तडक़े घेर में घुसे और बुजुर्ग पर गंडासों से हमला कर दिया। बुजुर्ग के घायल होकर गिरने के बाद हमलावर भाग गए।

हाईवे निर्माण की सामग्री चोरी करने वाले दो दोस्त समेत तीन पकड़े

हरिद्वार। हाईवे निर्माण सामग्री चोरी करने वाले दो दोस्त समेत तीन आरोपियों को श्यामपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हरिद्वार नजीबाबाद हाईवे बना रही कंस्ट्रक्शन कंपनी के सुपरवाइजर अमित शर्मा ने शिकायत कर बताया कि 29 अगस्त की रात को रसियाबड़ के पास बन रहे फ्लाई ओवर से सरिसा, लोहे की प्लेट समेत अन्य सामान चोरी हो गया। मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी को टीम का गठन किया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चोरी में शामिल दो आरोपियों और माल खरीदने वाले कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। एसओ विनोद थपलियाल ने बताया कि नेत्रपाल पुत्र रामकुमार निवासी ग्राम टांटवाला श्यामपुर, धीरज पुत्र शीशराम निवासी सज्जनपुर पीली श्यामपुर और कबाड़ी आबिद पुत्र मोहम्मद निवासी मन कुआं थाना धामपुर बिजनौर को गिरफ्तार किया है। चोरी हुआ माल बरामद कर लिया गया है।

अभद्रता करने पर किसानों का टोल प्लाजा पर प्रदर्शन

हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिलाध्यक्ष विजय शास्त्री के साथ फोन पर टोल प्लाजा कर्मी ने अभद्रता कर दी। इसके बाद किसानों ने टोल प्लाजा बहादराबाद पर धरना प्रदर्शन किया। करीब डेढ़ घंटा चले प्रदर्शन के बाद टोल प्लाजा कर्मी ने भविष्य में गलती न करने और माफी मांगी। जिसके बाद किसानों का धरना समाप्त हुआ। जिलाध्यक्ष शास्त्री का कहना है कि 15 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले निवासियों के लिए टोल फ्री किया हुआ है। बावजूद बहादराबाद टोल प्लाजा पर टैक्स वसूला जा रहा है। जब टोल कर्मी से फोन पर वार्ता की गई तो उसने अभद्रता की। उनका कहना है कि स्थानीय लोग जब गलत तरीके से टोल वसूलने का विरोध करते हैं तो अभद्रता की जाती है। बहादराबाद टोल के सीजीएम देवेंद्र चाहार का कहना है कि किसानों के साथ वार्ता हुई है। 15 किलोमीटर दायरे के तहत आने वालों से टोल टैक्स नहीं वसूल जा रहा है। किसान के साथ किसी कर्मचारी ने अभद्रता की थी। उसने माफी मांग ली। इस दौरान सुकरामपाल, शुब्बा सिंह ढिल्लो, राव मेहताब, मदन फौजी, वेदपाल पवार, शंकर सिंह, कुलदीप कुमार, प्रदीप, सतनाम चीमा, मंजीत सिंह, जसकरण आदि मौजूद थे।

पुलिस के हत्थे चढ़ा शराब तस्कर

हरिद्वार। श्यामपुर पुलिस ने शराब तस्करी में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने 50 देसी पव्वे बरामद किए है। एसओ विनोद थपलियाल ने बताया चंडीघाट के पास झुग्गी झोपड़ी से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में युवक ने अपना नाम सोनू कुमार पुत्र भूसी निवासी ग्राम वासुदेवपुरम पोस्ट सिग्नल थाना अमरपुर बिहार हाल निवासी झुग्गी झोपड़ी चंडीघाट बताया है।

धामी सरकार का चमत्कार, बधाई हो डॉ R राजेश कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ उत्तराखण्ड को मिले 24 सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर
■ पहाड़ों में स्वास्थ्य सेवाएं होंगी मजबूत - स्वास्थ्य सचिव

देहरादून , 1 सितंबर , राज्य निर्माण के बाद पहली बार उस मर्ज़ का इलाज़ खोज लिया गया है जिसके दर्द से पहाड़ दो दशकों से कराह रहा था। जहाँ चाह वहां राह के सिद्धांत पर धामी सरकार के विजन सर्वोत्तम राज्य सर्वोत्तम स्वास्थ्य को साकार करने में सचिव स्वास्थ्य डॉ आर. राजेश कुमार की योजना सफल हुयी है और उत्तराखण्ड में स्पेशलिस्ट और सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की पहली तैनाती कर दी गई है। डॉक्टरों को 'यू कोट-वी पे' योजना के तहत संविदा पर तैनाती दी गई है।

स्पेशलिस्ट और सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों को 4 लाख से 6 लाख रुपये महीने का वेतन दिया जाएगा। स्वास्थ्य सचिव डा. आर राजेश कुमार ने कहा कि स्पेशलिस्ट और सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती से राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल पाएंगी। स्वास्थ्य विभाग लम्बे समय से राज्य के पर्वतीय जिलों में स्पेशलिस्ट और सुपर स्पेशलिस्ट डाक्टरों की कमी को दूर करने की कवायद कर रहा है। जिसके पहले चरण में 24 डॉक्टरों का चयन किया गया है। इनमें पैथोलॉजिस्ट, गायनोलॉजिस्ट, एनेस्थेटिक, सर्जन, पीडियाट्रिश, ऑर्थोपेडिक डॉक्टरों को तैनाती दी गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की लोकप्रिय योजना 'यू कोट-वी पे' के माध्यम से स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की संविदा पर तैनाती की गई है। सभी डॉक्टरों को तैनाती के ऑडर जारी कर दिए गए हैं।सचिव स्वास्थ्य डा. आर राजेश कुमार ने बताया कि यह सारी भर्तियां राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संविदा पर की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के पहाड़ी जिलों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, दवाईयां, आधुनिक चिकित्सा उपकरण की सुविधाएं तो है, लेकिन प्रदेश के कुछ स्थानों पर स्पेशलिस्ट डाक्टरों के रिक्त पदों के कारण आमजन को पूर्णता सुविधाओं का लाभ नही मिल पा रहा था रिक्त पदों पर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की नियुक्ति होने से आम जन को गुणवत्ता पूर्ण उच्च स्वास्थ्य सुविधा अपने नजदीकी चिकित्सालय में दी गई है। गौरतलब है कि उत्तराखंड के पहाड़ी जनपदों में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए धामी सरकार ने यू कोट वी पे फार्मूले के तहत प्लान बनाया है। इस योजना के तहत विशेषज्ञ डाक्टरों को 4 लाख और सुपर स्पेश्यलिस्ट डाक्टरों को 6 लाख रुपये तक प्रति माह वेतन देने की योजना है। योजना का असर रहा कि बड़ी सँख्या में डॉक्टर अपनी सेवाएं देने राज्य के पर्वतीय जिलों में तैयार हुए हैं। अब इन डॉक्टरों की तैनाती प्रदेश के अलग अलग लोकेशन पर की गयी है।

Office of The Mission Director, National Health Mission, Uttarakhand
Uttarakhand Health & Family Welfare Society, DoMHFW, Uttarkhand Govt.
DandaLakhond, Sahastradhara Road, Dehradun - 248001
Email – info.nhmuk@gmail.com Phone/ Fex - 0135-2608646

No – 1388 /NHMUK/HR/2023-24/259D Date - 30/08/2023

Office Order

With reference to the interview conducted **on 22.08.2023**for recruitment of Specialist Doctors on "You Quote We Pay" Model under National Health Mission, Uttarakhand, approval has been accorded for the selection of the following candidates :-

S. No	Specialty	Name	Final Posting to be given
1	Ortho Surgeon	Mahesh Chandra	SDH Kashipur, US Nagar
2	Anesthetist	Rohit	CHC Betalghat, Nainital
3	Anesthetist	Sanjay Koot	CHC Sitarganj, US Nagar
4	ENT	VipinSaigal	SDH Roorkee
5	ENT	ToshiJanardan	SDH Ranikhet, Almora
6	MD Medicine	Sandeep Tandon	DH, Haridwar
7	MD Medicine	Preeti Yadav	DH Champawat
8	MD Medicine	Shailendra Kumar	SDH Kotdwar, PauriGarhwal
9	General Surgeon	Rajeev Garg	SDH Rishikesh, Dehradun
10	General Surgeon	Kumar Sen Nadkarni	CHC Thalisen, PauriGarhwal
11	General Surgeon	Suresh Vashishth	Haridwar
12	General Surgeon	Pranam Singh Pratap	SDH Roorkee
13	General Surgeon	Puneet Bansal	SDH Bazpur, US Nagar
14	General Surgeon	BhanuPratap Sharma	Female HospSimli, Chamolli
15	Obs/Gyane	AnuradhaKushwaha	CHC Sitarganj, US Nagar
16	Ophthalmologist	Suman Sharma	SDH Karanprayag, Chamoli
17	Pathologist	Rashmi Sanjay Koot	SDH Tanakpur, Champawat
18	Pediatrics	Prakash Chandra Singh	CHC Didihat, Pithoragarh
19	Pediatrics	Bharat Gupta	SDH Roorkee
20	Pediatrics	Om Prakash	CHC Berinaag, Pithoragarh
21	Pediatrics	Uma Shanker Singh Rawat	CHC Agustmuni, Rudraprayag
22	Pediatrics	Kanika Mehta	CHC Sitarganj, US Nagar
23	Radiologist	Shambhu Kumar Jha	SDH, Haridwar
24	Radiologist	Devendra Singh Nei	CHC Sitarganj, US Nagar

रुद्रप्रयाग में डिप्थीरिया का मामला आया सामने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जनपद में एक किशोरी को संदिग्ध डिप्थीरिया ग्रसित होने का मामला रिपोर्ट हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता अपनाते हुए मरीज का स्वैब नमूना लेकर जांच के लिए दिल्ली भेज दिया है। वहीं दो रेपिड रिस्पांस मेडिकल टीमों ने मरीज के गांव का दौरा करते हुए ग्रामीणों की हेल्थ स्क्रीनिंग कर सर्वे किया। हालांकि यहां राहत की बात यह रही कि कोई भी ग्रामीण डिप्थीरिया से पीड़ित नहीं मिला। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एचसीएस मार्तोलिया ने बताया कि अगस्त्यमुनि ब्लॉक निवासी 17 वर्षीय एक किशोरी का डिप्थीरिया संदिग्ध होने का मामला जिला चिकित्सालय में रिपोर्ट हुआ है। इसकी सूचना मिलते ही संदिग्ध मरीज का स्वैब नमूना डब्ल्यूएचओ लैब भेजा गया है। उन्होंने बताया कि डिप्थीरिया के संक्रमण होने से सांस नली में एक झिल्ली बन जाती है, जिस कारण सांस लेने में दिक्कत होती है। बताया कि यह संक्रामक बीमारी है। इसलिए ऐहतियात बरतते हुए दो रेपिड रिस्पांस मेडिकल टीमों का तत्काल गठन कर संबंधित गांव में ग्रामीणों की डिप्थीरियां की जांच व सर्वे किया गया, जिसमें किसी भी ग्रामीण में डिप्थीरिया के लक्षण नहीं मिले। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ आशुतोष के नेतृत्व में मेडिकल टीम प्रथम डॉ शिवानी जोशी, फार्मेसिस्ट नारायण सिंह नेगी, लैब टैक्नीशियन अमरीब सिद्दकी, कक्ष सेवक चंद्रमोहन व टीम द्वितीय डॉ. नेहा सैनी, फार्मेसिस्ट केके सेमवाल, लैब टैक्नीशियन मोनिका बेंजवाल व कक्ष सेवक कुलदीप ने गांव का भ्रमण कर ग्रामणों की स्वास्थ्य की जांच की। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ आशुतोश ने बताया कि स्वास्थ्य जांच व सर्वे में कोई भी ग्रामीण डिप्थीरिया से पीड़ित नहीं पाया गया। बताया कि संदिग्ध मरीज को उसके घर पर आइसोलेट कर उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गले में दर्द व सूजन, बुखार व खांसी डिप्थीरिया के लक्षण है।

संदिग्ध मरीज की स्थिति में सुधार है। उन्होंने मरीज के सामन्य संक्रमण से ग्रसित होने की संभावना व्यक्त करते हुए बताया कि संदिग्ध के स्वैब नमूने की रिपोर्ट आने तक ऐहतियातन संबंधित क्षेत्र की एएनएम व आशा कार्यकत्री को भी मरीज की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

भटवाड़ी की महिलाओं ने लगाए रक्षाबंधन पर 300 पौधे

रुद्रप्रयाग। जलागम संवद्र्धन एवं संरक्षण समूह की बहनों द्वारा गुरुवार को भौंसारी वाटरशेड फाउंडेशन रुद्रप्रयाग के सहयोग से भौंसारी गदेरे के जलागम क्षेत्र में जल स्त्रोतों की सफाई की गई। इस मौके पर फाउंडेशन ने संचालित कार्यक्रमों का विस्तार करते हुए हरियाली डांडा से अलकनन्दा तक जलागम क्षेत्र को शामिल किया है। फाउंडेशन से जुड़ी महिलाओं द्वारा अब तक आगर से लेकर कोठगी तक 3600 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। जबकि गुरुवार को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ग्राम जलागम समिति भटवाड़ी की महिलाओं ने अपने क्षेत्र में कार्यक्रम के मुख्य स्तम्भ शिक्षक एवं पर्यावरण प्रेमी सतेंद्र सिंह भण्डारी के नेतृत्व में बांज के 300 पौधों का रोपण किया।

धरना स्थल पर ही राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन

रुडक़ी। जेएम के कार्यालय के बाहर भाकियू कार्यकर्ताओं का धरना प्रदर्शन जारी रहा। वहीं पर रिश्तेदार पर जमीन हड़पने का आरोप लगाकर परिवार के साथ धरने पर बैठी परवीन बानों ने भाकियू नेताओं को राखी बांधकर न्याय दिलाने की मांग की। भाकियू के कार्यकर्ताओं ने परवीन बानो को भरोसा दिलाया कि उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए हरसंभव मदद करेंगे। यूनियन के धरना स्थल पर 42वें दिन आयोजित सभा को में वक्ताओं ने सरकार से अपनी मांगें पूरी करने का आग्रह किया। इस दौरान वेदपाल सिंह, मदन फौजी, सुक्रम पाल, सरदार सनप्रीत, नदीम, शंकर सिंह, कुलदीप कुमार, प्रदीप, अक्षित, उमंग, शहजाद, रमेश शर्मा, शेर अली, फिरोज खान एडवोकेट, असलम, अय्यूब, कुलदीप सैनी, विपुल कुमार, संजीव सैनी, अंकुर चौधरी, इकबाल,चमन लाल शर्मा आदि धरने पर बैठे।

सिविल जज परीक्षा में रुडक़ी के सचिन भी उत्तीर्ण

रुडक़ी। उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज की परीक्षा में रुडक़ी निवासी सचिन नयाल भी उत्तीर्ण हुए हैं। सचिन लंबे समय से यूपी पीसीएस जे परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। सोलानीपुरम निवासी सचिन नयाल ने बताया कि वह आर्मी पब्लिक स्कूल-2 से पढ़ाई करने के बाद लॉ करने बेंगलुरू चले गए थे। बिना किसी कोचिंग की सहायता से यह उपलब्धि हासिल की है। उनके पिता दीनबंधु नयाल आर्मी से रिटायर हैं जबकि मां विजय लक्ष्मी नयाल गृहणी हैं। वह अपनी कामयाबी का श्रेय सचिन अपने परिवारजनों को देते हैं। साथ ही अपनी पुस्तकों को वह अच्छा मित्र बताते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं में कामयाबी के लिए एकाग्रता को आवश्यक मानते हैं। मानते हैं कि आज की युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया का सदुपयोग करने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त खबरें

रुडक़ी में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

रुडक़ी। रुडक़ी शहर तथा आसपास के क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान घर-घर में भारी उत्साह देखा गया। बहनों ने पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना कर भाइयों को राखी बांधी और उनकी लंबी उम्र की कामना की। बदले में भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट किए। इस बार राखी के पर्व को लेकर असमंजस की स्थिति थी। कुछ लोगों ने 30 अगस्त को भी राखी का पर्व मनाया। भद्राकाल रात्रि नौ बजे तक होने के कारण बहुत से लोगों ने रात्रि में भी पूजा-अर्चना की। अधिकतर लोगों ने गुरुवार को रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस दौरान महिलाओं ने सुबह सबसे पहले घरों में अथवा मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की। इसके बाद पारंपरिक तरीके से घरों में भाइयों को राखी बांधी। अधिकतर विवाहित बहने राखी बांधने के लिए अपने मायके में गई जबकि कई स्थान पर भाई ही राखी बंधवाने के लिए बहनों के घर पहुंचे।

गैस के दाम कम होने से महिलाएं खुश

रुडक़ी। त्योहार शुरू होने से पहले गैस के दाम कम होने से महिलाएं खुश हैं। पिछले कई महीनों से महंगाई के कारण बिगड़े रसोई के बजट में अब थोड़ा सुधार आया है। इसके चलते गृहणियों के चहरे खिले हुए हैं। महिलाओं का कहना है कि इस महंगाई के दौर में रसोई चलाना काफी मुश्किल हो रहा है। कभी सब्जी के दाम बढ़ जाते हैं तो कभी अन्य खाद्य सामग्रियां महंगी हो जाती हैं। फिलहाल गैस सिलेंडर के दामों में कमी होने से थोड़ी राहत मिली है लेकिन अभी दाम और कम होने चाहिए। गणेशपुर निवासी गृहणी रेखा का कहना हैं कि अगले दो महीनों में काफी सारे त्योहार हैं। ऐसे में गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपये कम होना राहत की बात है। गीतांजलि विहार निवासी अनीता का कहना है कि सब्जियों के दामों में कमी आने के साथ-साथ सिलेंडर के दाम कम होने से काफी राहत मिली है।

बंधुत्व हमारे जीवन का आधार: सहदेव

रुडक़ी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सुभाष शाखा ने रक्षाबंधन पर एक कार्यक्रम की शुरुआत भगवा ध्वज पर रक्षा सूत्र बांधकर की। सुरमा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सहदेव सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता, सामाजिक सद्भाव और बंधुत्व हमारे जीवन का आधार है। हमारा कर्तव्य है की हम सभी कुरीतियों से अपने लोगों की रक्षा कर देश को परम वैभव पर ले जाएं। इस अवसर पर प्रकाश चंद ध्यानी, ऋषिपाल, गोविंद, मुकेश, बिजेंदर ,डॉ रामपाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मुस्तकीम बने रुडक़ी जामा मस्जिद के प्रशासक

रुडक़ी। वरिष्ठ भाजपा नेता मुस्तकीम अहमद को जामा मस्जिद में प्रशासक की जिम्मेदारी मिली है। वक्फ बोर्ड के सीईओ सैयद सिराज उस्मान अली ने सभी मौलाना और कारीयों से मुस्तकीम अहमद का परिचय करवा कर उन्हें जामा मस्जिद प्रशासक की जिम्मेदारी सौंपी। मौलाना अरशद और मुफ्ती सलीम साहब कारी अजहर ने सभी का स्वागत किया। प्रशासक मुस्तकीम अहमद ने कहा कि जामा मस्जिद के हित में सभी काम किए जाएंगे। कांग्रेस नेता नौशाद अली ने मुस्तकीम अहमद को बधाई दी। इस अवसर पर जाकीर त्यागी, अरशद, परवेज, तनवीर, आकिल, शमीम, कामरेज, मोहतसीम, जहीर, समद अंसारी, सादिक, इबादुर, मोहम्मद आकिल आदि मौजूद रहे।